लेखाशास्त्र

अध्याय-6: तलपट एवं अशुद्धियों का शोधन

तलपट (Trial Balance)

ट्रायल बैलेंस क्या है? ट्रायल बैलेंस, बैंक बैलेंस, कैश बुक आदि जैसे कई लेज़र खातों से निकाले गए क्रेडिट और डेबिट बैलेंस का योग या सूची है। ट्रायल बैलेंस का बुनियादी नियम यह है कि ट्रायल बैलेंस डेबिट और क्रेडिट अकाउंट और लेजर से लिया गया बैलेंस एक समान या बराबर होना चाहिए। ऐसा इसलिए है क्योंकि प्रत्येक लेन-देन में क्रेडिट और डेबिट एंट्री होती है या दोहरे परिणामों के साथ प्रभाव होता है। जब एक अकाउंटिंग पीरियड समाप्त होती है या प्रत्येक महीने के अंत में जब खाता को मिलाया जाता है और विधिवत निकाला जाता है तो यह ट्रायल बैलेंस ही टेस्ट करता है कि कुल क्रेडिट और कुल डेबिट एक व्यवस्थित पैटर्न में हैं या नहीं। यदि नहीं तो लेज़र एंट्री में कोई एरर या अशुद्धि है। यह प्राथमिक खाता विवरण है, जिसमें से कई फाइनेंशियल स्टेटमेंट जैसे बैलेंस शीट या पी एंड एल या ट्रेडिंग और प्रॉफिट एंड लॉस अकाउंट और भी खाता तैयार किया जाता है।

तलपट कब तैयार किया जाता है

सामान्यतः Trial Balance (तलपट) वित्तीय वर्ष के अंत में बनाया जाता है | परन्तु कभी-कभी व्यवसायी के द्वारा खाताबही (Ledger) में खोले गए खातों के शेष की जांच करने के लिए यह वित्तीय वर्ष में कभी भी बनाया जा सकता है।

तलपट से अंतिम खाता कैसे तैयार किया जाता

इसे सुनेंरोकेंइस तलपट में डेबिट शेषों का जोड़ क्रेडिट शेषों के जोड़ के बराबर होना चाहिये। यदि तलपट के दोनों पक्षों का योग बराबर नहीं है तो इसका अर्थ यह है कि लेखों में गणितीय अशुद्धि है जिसे खोज कर दूर किया जाता है। बाद में तलपट के आधार पर अंतिम लेखे तैयार किये जाते हैं।

ट्रायल बैलेंस के उद्देश्य:

ट्रायल बैलेंस का उपयोग लेज़र और जर्नल एंट्री से फाइनेंशियल स्टेटमेंट तैयार करने के लिए किया जाता है। यह फाइनेंशियल स्टेटमेंट जैसे बैलेंस शीट आदि और फाइनल पी एंड एल खातों को तैयार करने का आधार है। ट्रायल बैलेंस फॉर्मैट और इसके उद्देश्यों में शामिल हैं:

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

- कुल ऋण के कुल क्रेडिट के बराबर होने पर लेजर खातों की अंकगणितीय सटीकता का आकलन करना।
- लेखा प्रणाली के कई चरणों में लेजर और जर्नल त्रुटियों या अक्षमताओं का पता लगाना। कई एंट्री के साथ लेज़र या जर्नल खातों को पोस्ट करना, मूल्यों को दर्ज करने में गणना या मैन्युअल एरर, सहायक लेज़रों / जर्नल का योग करते समय, ट्रायल बैलेंस पोस्टिंग एरर, आदि ऐसी गलतियाँ हो सकती हैं।
- विभिन्न फाइनेंशियल स्टेटमेंट जैसे पी एंड एल खाता, बैलेंस शीट, अन्य फाइनेंशियल स्टेटमेंट, अकाउंटिंग रिकॉर्ड आदि तैयार करना।
- खर्चे और इनकम की एंट्री पी एंड एल खाते के लिए लेजर अकाउंट से ली जाती हैं।
- बैलेंस शीट के लिए जर्नल एंट्री आवश्यक हैं।

इस प्रकार ट्रायल बैलेंस, फाइनेंशियल स्टेटमेंट और विभिन्न अकाउंटिंग रिकॉर्ड के बीच ब्रिज की तरह है।

ट्रायल बैलेंस की विशेषताएं:

- ट्रायल बैलेंस खातों का विवरण है न कि अपने आप में एक खाता। यह कभी भी फाइनल फाइनेंशियल स्टेटमेंट का हिस्सा नहीं होता है।
- इसमें ट्रायल बैलेंस फॉर्मेट में कई लेज़र खातों से निकाले गए क्रेडिट और डेबिट बैलेंस का योग होता है।
- इसका उद्देश्य अपनी एंट्री की अंकगणितीय सटीकता को साबित करना है क्योंकि ट्रायल बैलेंस में क्रेडिट और डेबिट बैलेंस बराबर होते हैं। हालांकि यह अशुद्धियों को सत्यापित नहीं करता है जिसके लिए क्रेडिट/डेबिट बैलेंस में अशुद्धि साबित करने के लिए एक ऑडिट की आवश्यकता होती है।
- प्रत्येक लेखा वर्ष के अंत में एक ट्रायल बैलेंस बनाया जाता है। यदि आवश्यक हो तो ट्रायल बैलेंस शीट, मासिक, अर्ध-वार्षिक, क्वार्टरली या साप्ताहिक भी तैयार की जा सकती है।
- यह सभी अकाउंट स्टेटमेंट का फाउंडेशन है और लाभ हानि खाते, अकाउंट और बैलेंस शीट को जोड़ने वाला ब्रिज है।

Fukey Education

ट्रायल बैलेंस के प्रकार:

विभिन्न अकाउंटिंग स्टेज में तीन अलग-अलग प्रकार के ट्रायल बैलेंस हैं।

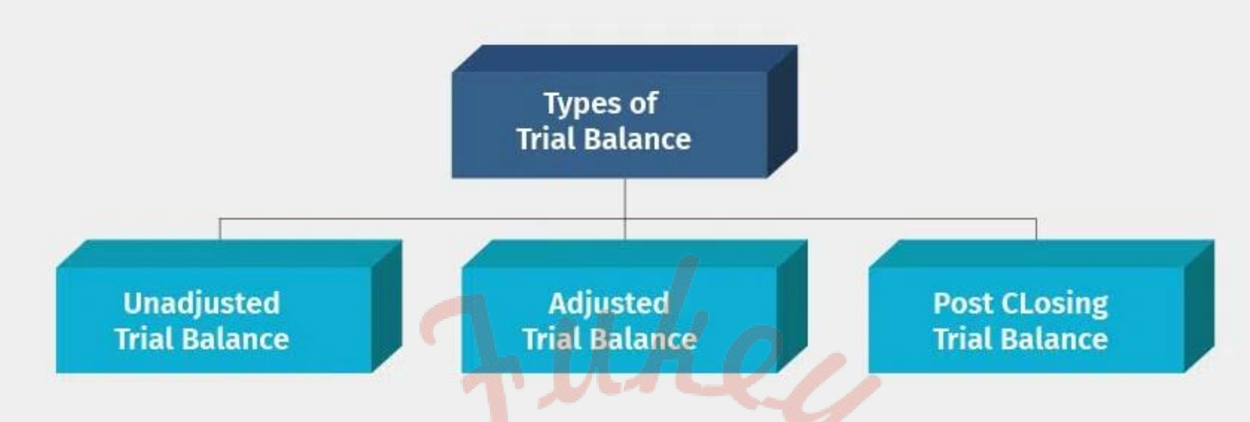

तीन ट्रायल बैलेंस हैं-

1. एडजस्टेड ट्रायल बैलेंस (Adjusted Trial Balance)
2. अनएडजस्टेड ट्रायल बैलेंस (Unadjusted Trial Balance)
3. पोस्ट क्लोजर ट्रायल बैलेंस (Post closure Trial Balance)

ट्रायल बैलेंस बनाने के नियम:

ट्रायल बैलेंस के नियम हैं-

- सभी लायबिलिटी क्रेडिट पक्ष में और एसेट्स डेबिट पक्ष पर दिखाई देनी चाहिए।
- लाभ और इनकम, ट्रायल बैलेंस के क्रेडिट पक्ष पर दिखाई देनी चाहिए।
- ट्रायल बैलेंस के डेबिट पक्ष पर खर्च दिखाई देनी चाहिए।

ट्रायल बैलेंस में गलतियाँ:

ट्रायल बैलेंस यह सुनिश्चित करता है कि डेबिट और क्रेडिट एंट्री अंकगणितीय सटीकता के साथ मेल खाती हैं, लेकिन वे लेजर की सटीकता को नहीं बताती हैं।

- **एरर ऑफ कमीशन (Errors of Commission):**

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

ये गलती तब होती हैं जब सही राशि, खातों के सही वर्ग में तो होती है लेकिन गलत खाते में। उदाहरण के लिए, मिस्टर C ने मिस्टर X को 1000/- रुपये का माल बेचा और उन्हें मिस्टर Y के खाते में बेचे गए माल के रूप में दर्ज किया।

- **एरर ऑफ ओमिशन (Errors of Omission):**

  ये गलती ऐसी गलती हैं जहां लेनदेन रिफ्लेक्ट नहीं होता है या पूरी तरह से छोड़ दिया जाता है। उदाहरण के लिए यदि 1000/- रुपये का माल Mr. B को बेचा गया था और खातों में एंट्री से पूरी तरह से छूट गया था तो ट्रायल बैलेंस अभी भी डेबिट और क्रेडिट को मैच के रूप में दिखाएगा, क्योंकि 1000/- के लिए डेबिट और क्रेडिट दोनों को ट्रायल बैलेंस में कम करके दिखाया गया है।

- **एरर ऑफ प्रिंसिपल (Errors of Principle):**

  ये लेन-देन सही राशि को दर्शाते हैं लेकिन गलत पक्ष और खातों के वर्ग पर। उदाहरण के लिए, एक अचल संपत्ति कार की ख़रीद गलत तरीके से मोटर वाहनों के व्यय खाते, एक राजस्व व्यय खाते में रिफ्लेक्ट होती है।

- **कंपेंसेटिंग एरर (Compensating Errors):**

  ये गलती तब होती हैं जब दो या दो से अधिक समान मूल्य वाले खाते क्रेडिट और डेबिट दोनों पक्षों पर होते हैं। उदाहरण के लिए फिक्स्ड एसेट खाते में 50,000/- रुपये डेबिट करने के बजाय, बिक्री खाते में (क्रेडिट खाता) रुपये 50,000/- क्रेडिट कर दीया जाता है।

- **रिवर्सल ऑफ एंट्री (Reversal of entries):**

  यह गलतीयाँ सही खातों को गलत स्थान पर दर्ज करने से होती हैं। इस मामले में ट्रायल बैलेंस अभी भी बराबर रहेगा। उदाहरण के लिए Mr. A से 20,000 रुपये मिला और उसे गलत तरीके से उसके अकाउंट में डेबिट कर दिया गया और कैश बुक के लिए एक क्रेडिट एंट्री पास कर दी की गई थी।

- **एरर ऑफ ट्रांसपोजीशन (Errors of transposition):**

  ये एंट्री तब होती हैं जब सही एंट्री के न्यूमेरिकल वैल्यू गलत तरीके से ट्रैन्स्पोज़ वैल्यू के साथ लिखे जाते हैं। उदाहरण के लिए 4523/- के स्थान पर 4235/- रुपये गलती से लिखा गया।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

ट्रायल बैलेंस शीट तैयार करने के स्टेप:

फाइनल फाइनेंशियल स्टेटमेंट को तैयार करने का पहला चरण ट्रायल बैलेंस है, जहां जेनरल लेजर अकाउंट से क्लोज़िंग बैलेंस के स्टेटमेंट से ट्रायल बैलेंस तैयार किया जाता है। ट्रायल बैलेंस तैयार करने के चरण हैं:

- सबसे पहले लेजर अकाउंट और उसमें प्रत्येक खाते का क्लोज़िंग बैलेंस तैयार करें। उदाहरण के लिए ट्रायल बैलेंस में बैंक ओवरड्राफ्ट, ट्रायल बैलेंस में प्राप्त कमीशन और फाइनल अकाउंट में सामान्य खर्च, और अन्य।
- अब इन बैलेंस को ट्रायल बैलेंस के क्रेडिट और डेबिट कॉलम में पोस्ट करें।
- खर्च और ऐसेट का अकाउंटिंग डेबिट बैलेंस के रूप में किया जाता है, जबकि इनकम और लायबिलिटी को क्रेडिट बैलेंस माना जाता है।
- इसके बाद कुल डेबिट और क्रेडिट बैलेंस की गणना करें।
- अगर ट्रायल बैलेंस सही है तो क्रेडिट और डेबिट बैलेंस का योग बराबर होना चाहिए।
- बैलेंस में किसी भी अंतर के मामले में आपको खातों के ऑडिट के माध्यम से ट्रायल बैलेंस एरर सुधार करना चाहिए।

ट्रायल बैलेंस फॉर्मैट और उदाहरण:

Trial Balance for Company ABC		Difference
as on DD-MM-YYYY		0
Accounting Heads	Closing Balance from Ledger	
	Debit	Credit
PETTY CASH	₹ -	
CASH IN CURRENT A/C	₹ -	
CASH IN SAVINGS A/C	₹ -	
ACCOUNTS RECEIVABLE	₹ -	
BAD DEBTS RESERVE		₹ -
STOCK INVENTORY	₹ -	
INSURANCE	₹ -	
ADVANCE PAID EXPENSES	₹ -	
OFFICE SUPPLY	₹ -	
DEPOSITS WITH UTILITY COMPANIES	₹ -	

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

जैसा कि ऊपर दिखाया गया है पहले कॉलम में लेजर खातों का उल्लेख किया गया है और उनकी विभिन्न एंट्री को संबंधित कॉलम में क्रेडिट या डेबिट एंट्री के रूप में दिखाया गया है।

ट्रायल बैलेंस का फॉर्मेट:

ABC लिमिटेड का ट्रायल बैलेंस dd/mm//yy के अनुसार।

SI No	Particulars	L.F	Amount (Rs)Dr	Amount (Rs)Cr

ट्रायल बैलेंस का उदाहरण:

ABC लिमिटेड ट्रायल बैलेंस 31- मार्च 2020 (डॉलर में)

Accounts	Debit (Dr)	Credit (Cr)
Cash	1,20,280	-
Accounts Receivable	9,500	-
Office Expenses	2,500	-
Prepaid Rent	800	-
Prepaid Insurance	220	-
Office furniture and equipment	15,000	-
Bank loan	-	15,000
Accounts Payable	-	5,000
Unearned Revenues	-	9,500
Capital	-	1,21,200
Drawings	5,000	-
Commission Revenue	-	12,500
Salary Expenses	9,900	-
Total	163,200	163,200

ट्रायल बैलेंस फॉर्म:

ट्रायल बैलेंस को नीचे दो फॉर्म में निकाला जा सकता है। अर्थात्

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

- **लेजर फॉर्म** जहां ट्रायल बैलेंस क्रेडिट और डेबिट पक्षों वाले खाते के रूप में डाला जाता है। दोनों पक्षों के पास खाता नाम, राशि कॉलम, फोलियो कॉलम इत्यादि वाला पहला कॉलम होता है।
- **जर्नल फॉर्म** जहां ट्रायल बैलेंस जर्नल फॉर्म लेता है जिसमें सीरियल नंबरिंग, खाता नाम, डेबिट/क्रेडिट राशि, लेजर फोलियो विवरण इत्यादि के लिए एक कॉलम होता है, जिसमें पेज नंबर भी शामिल होता है जिस पर अकाउंट, लेजर में दर्ज किया जाता है।

हालांकि ट्रायल बैलेंस में प्रत्येक देनदार (Debtor) के साथ एंट्री की दोहरी प्रकृति के कारण एक समान क्रेडिट एंट्री या इसके विपरीत प्रत्येक लेनदार (Creditor) के साथ एंट्री की दोहरी प्रकृति के कारण एक समान डेबिट एंट्री होने पर ट्रायल बैलेंस जब सही हो तो हमेशा मेल खाना चाहिए।

ट्रायल बैलेंस आइटम की सूची:

जैसा कि ट्रायल बैलेंस के फॉर्मैट में देखा गया है, इसमें कई क्रेडिट और डेबिट खाते हैं। उन्हें वर्गीकृत करने में सहायता करने के लिए यहां एक तालिका दी गई है।

डेबिट	**क्रेडिट**
Total Assets (Cash in bank/ hand, Buildings and Land, Inventory, Plant and Machinery, and more.) Expenses (Freight, inward carriage expenses, rents, salary, rebates, Commission, etc.) ट्रायल बैलेंस में सन्ड्री डेटर Losses (Inward returns, bad debts, depreciation, debits to P&L A/c, etc.) Purchases	Total liabilities (Unsecured/ Secured loans, Bank overdrafts, mortgage loans, outstanding bills and expenses payable, and more.) Reserves in funds, depreciation provisions, general reserves, accumulated depreciation on plant and machinery, etc. <u>Sundry Creditors</u> Gains (Outward returns, recovered bad debts, discount received, credits to P&L, etc.) Sales

अकाउंटिंग और ट्रायल बैलेंस में आधुनिक समय की प्रगति:

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

ट्रायल बैलेंस किसी भी त्रुटि का सही पता लगाने में मदद करता है। लेकिन व्यवसाय की जरूरतें अधिक विविध होने के साथ, फाइनेंशियल स्टेटमेंट को व्यावसायिक स्वास्थ्य और फन्डिंग के साथ संरेखित करने की आवश्यकता है ताकि प्रभावी निर्णय किए जा सकें। अधिकांश व्यवसाय अपनी बुक्स को बनाए रखने के लिए, फाइनेंशियल रिपोर्ट और स्टेटमेंट तैयार करने और विश्लेषणात्मक (analytical) रिपोर्ट के लिए फाइनेंशियल डेटा का उपयोग करने के लिए एडवांस अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर जैसे टैली प्राइम, टैली ईआरपी 9 आदि का उपयोग करते हैं।

ऐसे में, आपको ट्रायल बैलेंस शीट बनाने के लिए अब क्रेडिट और डेबिट को बैलेंस करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि टैलीप्राइम एक अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर स्वचालित रूप से लेन-देन रिकॉर्ड करते समय क्रेडिट और डेबिट के मैच को सुनिश्चित करता है। यह प्रयास, समय, संसाधन आदि की बचत करते हुए लेनदेन को डिजिटल रूप से रिकॉर्ड करने का एक अधिक कुशल, विश्वसनीय, सटीक तरीका भी है।

अशुद्धियों से आप क्या समझते

साधारण शब्दों में कहा जाए तो किसी भी कार्य को करने में व उस कार्य के करने के बाद उसमें जो गलतियां पाई जाती हैं अशुद्धियां कहलाती है। उदाहरण – जब हम बचपन में A,B,C,D लिखते थे तो B को उल्टा करके लिख देते थे। यहां B को उल्टा करके लिखना ही अशुद्धि हैं।

अशुद्धियों के सुधार से क्या आशय है

त्रुटि करना मनुष्य का स्वभाव है। लाख सावधानी बरतने के बावजूद भी अशुद्धियां हो जाती है। अशुद्धियां ऐसी होती हैं जिनका प्रभाव Trial Balance पर नहीं पड़ता है और कुछ अशुद्धियों का Trial Balance के योग पर प्रभाव पड़ता है। व्यापार के सही स्थिति प्रकट करने के लिए आवश्यक है कि त्रुटियों का पता लगाया जाए और सुधार हेतु आवश्यक लेखे किए जाए । इसी क्रिया को "अशुद्धियों का सुधार" करना कहा जाता है।

लेखा पुस्तकों में हुई अशुद्धियों या भूलों के सुधार हेतु और लेखांकन अभिलेखों को सही करने में जो प्रक्रिया अपनाई जाती है अशुद्धियों का संशोधन कहलाती हैं।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

अशुद्धियों के संशोधन

व्यापार के सही स्थिति प्रकट करने के लिए आवश्यक है कि त्रुटियों का पता लगाया जाए और सुधार हेतु आवश्यक लेखे किए जाए । इसी क्रिया को "अशुद्धियों का सुधार" करना कहा जाता है। लेखा पुस्तकों में हुई अशुद्धियों या भूलों के सुधार हेतु और लेखांकन अभिलेखों को सही करने में जो प्रक्रिया अपनाई जाती है अशुद्धियों का सुधार कहलाती हैं।

Trial Balance की अशुद्धियाँ

Trial Balance में दो तरह की अशुद्धियाँ होती है :

तलपट को न प्रभावित करने वाली अशुद्धियाँ

इसके अन्तर्गत निम्नलिखित तरह की अशुद्धियाँ आती है :

- सैद्धांतिक अशुद्धियाँ
- भूल की अशुद्धियाँ
- हिसाबी अशुद्धियाँ
- क्षतिपूरक अशुद्धियाँ

तलपट को प्रभावित करने वाली अशुद्धियाँ

इसके अन्तर्गत निम्नलिखित तरह की अशुद्धियाँ आती है :

- गलत योग लगाना
- खाते में खतौनी न किया जाना
- खाते का गलत शेष निकालना
- गलत खतौनी
- एक ही खाते में दो बार खतौनी

लेखांकन की अशुद्धियाँ के प्रकार निम्नलिखित है :

एकपक्षीय अशुद्धियाँ (One-Sided Error)

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

जब अशुद्धियाँ केवल एक ही खाते में हो अथवा अशुद्धि केवल एक खाते के एक ही पक्ष को प्रभावित करती हो तो ऐसी अशुद्धि को एकपक्षीय अशुद्धियाँ कहा जायेगा। इस प्रकार की अशुद्धि का सुधार प्रभावित लेखे की स्थिति के अनुसार डेबिट या क्रेडिट करके किया जाता है।

द्विपक्षीय अशुद्धियाँ (Double-Sided Error)

द्विपक्षीय अशुद्धियाँ दो खातों पर प्रभाव डालती हैं। अतः इनका संशोधन जर्नल प्रविष्टियों के द्वारा किया जाता है। द्विपक्षीय अशुद्धियाँ को सुधरने के लिए एक खाते को डेबिट तथा दूसरे को क्रेडिट किया जाता है।

योग की अशुद्धियाँ (Error Of Casting)

सहायक बही के योग लगाने में गलती हो सकती है। योग कम हो सकता है अथवा अधिक। योग कम लगाने अथवा अधिक लगाने को ही योग की अशुद्धि कहा जायेगा।

खतौनी की अशुद्धि (Error Of Posting)

पूर्णतया छूट जाने वाली अशुद्धियाँ (Errors Of Complete Omission)

यदि किसी सौदे का जर्नल या पुस्तक में लेखा ही न किया जाय तो इसे पूर्णतया छूट जाने वाली अशुद्धि कहा जाता है।

आंशिक रूप से छूट जाने वाली अशुद्धियाँ (Error Of Partial Omission)

कभी-कभी सौदे का लेखा संबंधित सहायक बही में कर दिया जाता है परन्तु उसे दूसरे खाते में नहीं खतियाया जाता है तो इसे आंशिक रूप से छूट जाने वाली अशुद्धि कहा जाता है। इस तरह की गलती को सुधारने के लिए उचन्त खाता अथवा भूल-चूक खाता का प्रयोग किया जाता है।

अशुद्धियों के सुधार के उद्देश्य

1. इसमें लेखांकन अवधि के लिए सही लाभ या हानि का निर्धारण किया जाता हैं।
2. सही लेखांकन रिकॉर्ड को तैयार करना और रखना इसका उद्देश्य है।
3. अशुद्धियों के सुधार होने से लोगों का उसके प्रति विश्वास बना रहता है।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

4. अशुद्धियां नहीं होने से इन्वेस्टर पैसा निवेश करने के लिए राजी हो जाते हैं।

अशुद्धियों के संशोधन की विधियां बताएं

संशोधन यानी कि किसी चीज में परिवर्तन करना। अशुद्धियों के संशोधन के निम्नलिखित विधियां है-

1. एकपक्षीय अशुद्धियां
2. द्विपक्षीय अशुद्धियां

एकपक्षीय अशुद्धियां –

एकपक्षीय अशुद्धियों से आशय ऐसे अशुद्धियों से हैं जिसमें केवल एक ही खाते प्रभावित होता है। इस तरह की अशुद्धियों का सुधार प्रभावित लेखे की स्थिति के अनुसार क्रेडिट और डेबिट करके किया जाता है। इसके अंतर्गत निम्न को शामिल किया जाता है।

- Errors Of Casting
- Errors In C/F
- Balancing

Errors Of Casting (जोड़ की अशुद्धियां) – जब ट्रायल बैलेंस में या फिर किसी लेखांकन में दोनों पक्षों का योग निकाला जाए और योग बराबर ना हो, अधिक हो, कम हो तो वैसे अशुद्धि को जोड़ की अशुद्धि कहा जाता हैं।

Errors In C/F – जब पिछले लेनदेन यानी कि B/F को C/F में Transfer किया जाता है तो जितना Balance होता है C/F में भी होना चाहिए ऐसा नहीं होने पर आगे ले जाने की अशुद्धि कहलाती है।

Balancing – डेबिट व क्रेडिट साइड का योग का ना मिल पाना

द्विपक्षीय अशुद्धियां –

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

जब लेखांकन और ट्रायल बैलेंस में डेबिट व क्रेडिट दोनों पक्ष प्रवाहित होते हैं द्विपक्षीय अशुद्धियां कहलाते है। इस तरह के अशुद्धियों का सुधार जर्नल प्रविष्टि द्वारा किया जाता है। इसमें सुधार करने के लिए कुछ इस तरह का नियम फॉलो करते हैं-

1. सबसे पहले शुद्ध लेखा जो होना चाहिए उसे लिखे।
2. उसके बाद अशुद्ध लेखा जो हो गया, उसे लिखना चाहिए।
3. अब दोनों लेखों की तुलना करके सुधार का लेखा Rectified Entry लिखना चाहिए।

इस प्रकार के अशुद्ध को दूर करने के लिए पहले रफ में शुद्ध व अशुद्ध लेखा करना चाहिए। इसके बाद जो खाता दोनों में कॉमन हो उसे पेंसिल या कलम से काट देना चाहिए और शेष लेखों के आधार पर संशोधित प्रविष्टि करने चाहिए।

अशुद्धियों का Balance Sheet पर क्या प्रभाव पड़ता है

- यदि संपत्तियां कम राशि से डेबिट की गई हो अथवा डेबिट ही ना की गई हो तो संबंधित संपत्तियों का मूल्य कम हो जाएगा।
- यदि संपत्तियों को भूल से डेबिट कर दिया गया हो तो संपत्तियों का मूल्य बढ़ जाएगा।
- इसी प्रकार भूल से व्यक्तिगत खाते को डेबिट किए जाने पर देनदार की राशि बढ़ जाएगी और क्रेडिट किए जाने पर लेनदार की राशि बढ़ जाएगी।

Fukey Education

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 246 - 252)

लघुउत्तरीय प्रश्न:

प्रश्न 1 तलपट का अर्थ बताइए।

उत्तर – तलपट एक ऐसा विवरण पत्र है जो खाताबही में खतौनी करने के पश्चात् सभी खातों के शेषों के आधार पर बनाया जाता है। इसमें खाताबही में लिखे गये सभी खातों के नाम (Debit) और जमा (Credit) के योग अथवा उन खातों के शेषों को दिखाया जाता है। इसे बनाने का प्रमुख उद्देश्य गणितीय सम्बन्धी शुद्धता की जाँच करना होता है। जो खाते डेबिट शेष (Debit Balance) दिखाते हैं उन्हें डेबिट पक्ष (Side) में दिखाते हैं और जो खाते क्रेडिट (Credit) शेष दिखाते हैं उन्हें क्रेडिट पक्ष (Side) में दिखाते हैं। एम. जे. कीलर के अनुसार, "तलपट में खातों की सूची व उनके शेष दिए रहते हैं जो इस बात का प्रमाण होते हैं कि खाताबही के डेबिट और क्रेडिट पक्ष बराबर हैं।"

प्रश्न 2 सैद्धान्तिक अशुद्धि के दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर – प्रारम्भिक लेखे की पुस्तकों में दोहरा लेखा प्रणाली के सिद्धान्तों का पालन न करने पर जो अशुद्धि होती है, उसे सैद्धान्तिक अशुद्धि कहते हैं।

उदाहरण:

(1) जब पूँजीगत व्यय को आयगत व्यय मान लिया जाये-जैसे (-) व्यापारी ने भवन निर्माण पर 15,000 ₹ व्यय किये, जिसे भवन खाते के स्थान पर मरम्मत खाते (Repair a/c) में डेबिट कर दिया जबकि इसे भवन खाते (Building A/c) को डेबिट करना चाहिए था। यह सैद्धान्तिक अशुद्धि है।

(2) आयगत व्यय को पूँजीगत व्यय मान लेना जैसे (-) व्यापारी ने फर्नीचर (Furniture) की मरम्मत पर 1000 ₹ लगाये और उसने मरम्मत खाते (Repair Account) को डेबिट करने के स्थान पर फर्नीचर खाते (Furniture Account) को डेबिट कर दिया। इस अशुद्धि का तलपट के मिलान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

प्रश्न 3 लेख अशुद्धि (Error of Commission) के दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर – अर्थ (Meaning): प्रारम्भिक लेखे की पुस्तकों में गलत राशि से या गलत खाते में प्रविष्टि (Entries) कर देना या खाताबही (Ledger) में गलत खाते में सही राशि की सही पक्ष में प्रविष्टि कर देने से जो अशुद्धियाँ होती हैं, उन्हें लेख अशुद्धि या हिसाब की अशुद्धि कहते हैं।

उदाहरण:

1. तरुण को 10,000 ₹ का माल बेचा किन्तु जर्नल में इसकी प्रविष्टि (Entry) गलती से 1,000 ₹ से हो गई। अतः खाताबही में भी दोनों पक्षों में इसकी खतौनी 1,000 ₹ से होगी। इसलिए इसका तलपट के मिलान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
2. खतौनी करते समय सोनू के खाते को 3,000 ₹ से डेबिट (Debit) करने के स्थान पर मोनू के खाते को 3,000 ₹ से डेबिट कर दिया तो इसका प्रभाव भी तलपट पर नहीं पड़ेगा।

प्रश्न 4 तलपट को तैयार करने की विधियाँ बताइए।

उत्तर – तलपट निम्न तीन विधियों से तैयार किया जाता है:

(1) योग विधि (Totals Method): इस विधि के अन्तर्गत खाताबही के प्रत्येक खाते के डेबिट (Debit) और क्रेडिट (Credit) पक्ष का योग लगा लिया जाता है। तलपट में डेबिट पक्ष का योग डेबिट पक्ष में तथा क्रेडिट पक्ष का योग क्रेडिट पक्ष में लिखा जाता है, तत्पश्चात् दोनों पक्षों का योग लगा लिया जाता है।

(2) शेष विधि (Balancing Method): इस विधि के अन्तर्गत सबसे पहले खातों का शेष निकाला जाता है। जिस खाते का डेबिट शेष है उसे तलपट में डेबिट पक्ष में तथा जिस खाते का क्रेडिट शेष है उसे तलपट में क्रेडिट पक्ष में लिखते हैं। जिन खातों का योग समान होता है उसे तलपट में नहीं लिखते हैं।

(3) शेष विधि व योग विधि (Balance and Total Method): यह विधि इन दोनों विधियों का मिश्रित रूप है। इस विधि में तलपट में राशि के दो खाने बनाने की जगह चार खाने बनाये जाते हैं। पहले दो खाने डेबिट व क्रेडिट योग के लिए बनाये जाते हैं तथा अन्तिम दो खाने डेबिट व क्रेडिट

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

शेष के लिए बनाये जाते हैं। इस विधि में समय व श्रम अधिक लगता है। अतः यह विधि व्यावहारिक नहीं है।

प्रश्न 5 तलपट में से अशुद्धि को ढूँढ़ने के लिए लेखाकार क्या कदम उठाता है?

उत्तर – यदि तलपट के दोनों पक्षों का योग नहीं मिलता है तो इसका तात्पर्य यह है कि लेखा पुस्तकों में कहीं न कहीं अशुद्धि हुई है।

इसका पता लगाने के लिए निम्न प्रक्रिया अपनायी जाती है:

- सबसे पहले तलपट के डेबिट तथा क्रेडिट पक्ष के योग को पुनः जाँचना चाहिए।
- अन्तर की राशि ज्ञात करनी चाहिए और यह देखना चाहिए कि इस रकम का कोई खाता तलपट में लिखने से तो नहीं छूट गया है।
- अन्तर की राशि को आधा करना चाहिए और यह देखना चाहिए कि अन्तर की आधी राशि का खाता तलपट में गलत पक्ष में तो नहीं लिख दिया है।
- यदि अन्तर की राशि 9 से विभाजित हो रही है तो यह समझ लेना चाहिए कि अंकों में लिखने में कोई उलटफेर हुआ है।
- सहायक बहियों के योग को पुनः जाँचना चाहिए।
- जर्नल में लिखे गये सभी लेन-देनों की जाँच करनी चाहिए और यह देखना चाहिए कि डेबिट व क्रेडिट पक्ष बराबर हैं।
- रोकड़बही से रोकड़ शेष व बैंक शेषों को तलपट में सम्मिलित करना चाहिए।
- देनदारों व लेनदारों की सूची को दोबारा जाँचना चाहिए।
- यह भी देखना चाहिए कि पिछले वर्ष के सम्पत्तियों व दायित्वों के शेष इस वर्ष के खातों में सही रूप में लिखे गये हैं या नहीं।
- यदि इन सबके बाद भी तलपट के अन्तर की अशुद्धि का पता नहीं चलता है और अन्तिम खाते बनाने आवश्यक हैं तो कुछ समय के लिए इस अन्तर की राशि को उचन्ती खाते (Suspense Account) में डाल देना चाहिए।

Fukey Education

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

प्रश्न 6 उचन्ती खाता क्या है? क्या यह लेखा आवश्यक है कि लेखाकार द्वारा अशुद्धि को ढूंढ़ निकाल कर उसके शोधन के पश्चात् उचन्ती खाता कोई शेष प्रदर्शित नहीं करेगा, यदि नहीं तो इस बचे हुए शेष का क्या होगा?

उत्तर – उचन्ती खाता-जब सारे प्रयास करने के बावजूद भी तलपट के दोनों पक्षों का योग नहीं मिलता है तो इस अन्तर की राशि को जिस खाते में लिखा जाता है उसे उचन्ती खाता कहते हैं। अन्तर की राशि को इस उचन्ती खाते (Suspense Account) में लिख कर दोनों पक्षों का योग मिला दिया जाता है। ऐसा करने का प्रमुख उद्देश्य लेखांकन प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है।

एकपक्षीय अशद्धियों के होने के कारण ही तलपट का मिलान नहीं हो पाता है। जब तक कि तलपट के मिलान को प्रभावित करने वाली एक पक्षीय अशुद्धियों का पता नहीं चलता है, तब तक डेबिट अथवा क्रेडिट किये जाने वाले किसी विशेष खातों का निर्णय लेना सम्भव नहीं हो पाता है। अतः तलपट में पाये जाने वाला अन्तर उचन्ती खाते (Suspense Account) में हस्तान्तरित कर दिया जाता है। जब लेखाकार द्वारा सभी अशुद्धियों को ढूँढ़ लिया जाता है एवं उनका शोधन कर लिया जाता है तो उचन्ती खाते का शेष खत्म हो जाता है तथा यह बन्द हो जाता यदि यह खाता बन्द नहीं हो और इसमें कोई शेष बचा हुआ हो तो उस शेष को आगामी लेखांकन वर्ष में आगे ले जाया जायेगा।

प्रश्न 7 तलपट में अन्तर किस प्रकार की अशुद्धियों के कारण होता है? उन अशुद्धियों की सूची बनाइए जो तलपट के मिलान से भी उजागर नहीं होंगी।

उत्तर – तलपट का प्रमुख उद्देश्य गणितीय सम्बन्धी शुद्धता की जाँच करना होता है। यदि तलपट के दोनों पक्षों का योग समान है तो यह माना जाता है कि खाताबही में कोई गणितीय अशुद्धि विद्यमान नहीं है जबकि तलपट खातों की शुद्धता का अन्तिम प्रमाण नहीं है।

तलपट को प्रभावित करने वाली अशुद्धियाँ:

- किसी भी खाते के योग की अशुद्धि।
- सही खाते में गलत राशि लिखने से खतौनी की अशुद्धि।
- किसी व्यवहार का दोहरा लेखा पूर्ण नहीं करना।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

- सहायक पुस्तकों से खतौनी करते समय किसी राशि को भूल जाना।
- तलपट में किसी खाते को प्रदर्शित करने में भूल की अशुद्धि। तलपट को प्रभावित नहीं करने वाली अशुद्धियाँ
- (भूल-चूक की अशुद्धियाँ जैसे (-) जर्नल में किसी प्रविष्टि को करने से भूल जाना।
- प्रारम्भिक लेखे की पुस्तकों में लेन-देनों का त्रुटिपूर्ण लेखा करना।
- सैद्धान्तिक अशुद्धियाँ जैसे - पूँजीगत व्यय को आयगत व्यय मानना तथा आयगत व्यय को पूँजीगत व्यय मानना।
- कोई खाता खतौनी करने से रह जाना।

प्रश्न 8 तलपट की सीमाओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर – तलपट की सीमाएँ (Limitations of Trial Balance) तलपट के दोनों पक्षों का योग बराबर होना खातों की पूर्ण शुद्धता का अकाट्य प्रमाण नहीं है क्योंकि निम्न अशुद्धियाँ तलपट के मिलान को प्रभावित नहीं करती हैं अर्थात् तलपट के दोनों पक्षों का योग समान होने पर भी निम्नलिखित अशुद्धियाँ लेखों में रह सकती हैं

- भूल की अशुद्धियाँ-जब किसी लेन-देन का लेखा प्रारम्भिक लेखे की पुस्तकों या जर्नल में करने से रह जाता है तो ऐसी अशुद्धि को भूल की अशुद्धि कहते हैं।
- हिसाब या लेखा सम्बन्धी अशुद्धियाँ-प्रारम्भिक लेन-देन की बहियों में किसी लेन-देन की गलत राशि लिखने पर या खाताबही में गलत खाते में सही राशि से सही पक्ष में खतौनी कर देने के कारण हुई अशुद्धियों को हिसाब की अशाद्धियाँ कहते हैं।
- सैद्धान्तिक अशुद्धियाँ वे अशुद्धियाँ जो दोहरा लेखा पद्धति के सिद्धान्तों की अवहेलना के कारण उत्पन्न होती हैं, उन्हें सैद्धान्तिक अशुद्धियाँ कहते हैं।
- क्षतिपूरक अशुद्धियाँ जब दो या दो से अधिक अशुद्धियाँ इस प्रकार की होती हैं कि एक अशुद्धि का प्रभाव दूसरी अशुद्धि से समाप्त हो जाए तो इन्हें क्षतिपूरक अशुद्धियाँ कहते हैं। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि तलपट का मिलान खातों की शुद्धता का अकाट्य प्रमाण नहीं है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:

प्रश्न 1 तलपट बनाने के उद्देश्य की व्याख्या कीजिए।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

उत्तर – अर्थ तलपट एक ऐसा विवरण पत्र है जो खाताबही में खतौनी करने के बाद खातों के शेषों अथवा योगों के आधार पर बनाया जाता है। इसे बनाने का प्रमुख उद्देश्य गणितीय सम्बन्धी शुद्धता की जाँच करना होता है।

तलपट बनाने के उद्देश्य (Objects of Trial Balance) तलपट बनाने के प्रमुख उद्देश्य निम्न हैं:

(1) ताबही की गणितीय शद्धता की जाँच करना तलपट बनाने का प्रमुख उद्देश्य खाताबही में की गई खतौनी की शुद्धता की जाँच करना होता है। यदि खाताबही में सभी लेन-देनों की सही खतौनी की गई है तो तलपट के डेबिट (Debit) व क्रेडिट (Credit) पक्ष का योग बराबर होगा।

(2) अशुद्धियों को ज्ञात करने में सहायक: यदि तलपट के दोनों पक्षों का योग (डेबिट व क्रेडिट) नहीं मिलता है तो इसका मतलब यह है कि खतौनी में अवश्य ही कहीं-न-कहीं अशुद्धि विद्यमान है। यह आवश्यक नहीं है कि यदि तलपट के दोनों पक्षों का योग समान है तो लेखांकन पूर्ण रूप से शुद्ध है।

(3) खातों का संक्षिप्त विवरण: तलपट खातों का एक संक्षिप्त विवरण है। अतः तलपट के आधार पर किसी खाते से सम्बन्धित संक्षिप्त सूचना कभी भी ज्ञात की जा सकती है।

(4) अन्तिम खाते बनाने में सहायक: तलपट की सहायता से लाभ-हानि खाता (Profit & Loss Account) तथा चिट्ठा (Balance Sheet) बनाने की सामग्री मिलती है। अतः तलपट को अन्तिम खातों का आधार कहा जा सकता है।

(5) समायोजनों को ज्ञात करने में सहायक तलपट की जाँच करने के बाद इस बात की जानकारी प्राप्त होती है कि खातों की गणितीय सम्बन्धी अशुद्धियों की जाँच करने के बाद उनमें कौन-कौन से आवश्यक समायोजन किए गए हैं।

प्रश्न 2 सैद्धान्तिक अशुद्धियों को समझाइए। इनके दो उदाहरण शोधन उपायों के साथ दीजिए।

उत्तर – अर्थ: प्रारम्भिक लेखे की पुस्तकों में दोहरा लेखा प्रणाली के सिद्धान्तों का पालन न करने पर जो अशुद्धि होती है, उसे सैद्धान्तिक अशुद्धि कहते हैं। सैद्धान्तिक अशुद्धि पूँजीगत व आयगत के रूप में व्ययों अथवा प्राप्तियों के गलत विभाजन के परिणामस्वरूप भी हो सकती है।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

यदि आयगत व्यय को पूँजीगत व्यय मान लिया जाये तथा पूँजीगत व्यय को आयगत व्यय मान लिया जाये तो इसके परिणामस्वरूप आय या सम्पत्तियाँ अथवा देयताएँ आदि कम या अधिक मूल्यों पर प्रदर्शित की जाती हैं। उदाहरण के लिए, यदि कुछ रुपया भवन खाते में लिखा जाना चाहिए था लेकिन भवन खाते के स्थान पर मरम्मत खाते (Repair Account) में लिख दिया गया तो इस प्रकार की अशुद्धि एक सैद्धान्तिक अशुद्धि है। इसके परिणामस्वरूप इस अवधि के परिलाभों में कमी हो जायेगी।

उदाहरण:

(1) 50,000 ₹ की एक मशीन श्याम से उधार खरीदी जिसे गलती से क्रय पुस्तक (Purchase Book) में लिख दिया गया। इस अशुद्धि के कारण माल का क्रय 50,000 ₹ से अधिक हो जायेगा व इस अवधि के लाभ कम हो जायेंगे। अशुद्धि का सुधार, इस अशुद्धि के कारण दो खाते प्रभावित होंगे। क्रय खाता (Purchases A/c) 50,000 ₹ अधिक से डेबिट हो गया जबकि मशीन खाता (Machine A/c) 50,000 ₹ से कम है। अतः इसके सुधार हेतु निम्न जर्नल प्रविष्टि की जायेगी

	Machinery A/c Dr. To Purchases A/c		50,000	 50,000

उदाहरण:

(2) व्यापार गृह के रंग-रोगन व मरम्मत पर 8,000₹ व्यय किए गए जिसे भवन खाते में डेबिट किया गया अर्थात् आयगत व्यय को पूँजीगत व्यय माना गया।

अशुद्धि का शोधन: 8,000 ₹ भवन खाते (Building Ac) में डेबिट नहीं करने थे अर्थात् उसे निरस्त करने हेतु भवन खाते को क्रेडिट तथा मरम्मत खाते को डेबिट करना होगा।

	Repair A/c Dr. To Building A/c		8,000	 8,000

प्रश्न 3 लेख अशुद्धियों को समझाइए। इनके दो उदाहरण शोधन उपायों के साथ दीजिए।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

उत्तर – लेख अशुद्धियों से आशय (Meaning of Error of Commission): प्रारम्भिक लेखे की पुस्तकों में गलत राशि से या गलत खाते में प्रविष्टि कर देना अथवा खाताबही में खतौनी करते समय गलत खाते में सही राशि की सही पक्ष में प्रविष्टि कर देना या लेखा करना लेखा सम्बन्धी अशुद्धि कहलाती है। उदाहरण के लिए राम को 12,000 ₹ का माल बेचा, किन्तु जर्नल में गलती से इसकी प्रविष्टि 1,200 ₹ से ही हो गई। अतः खाताबही में भी खतौनी 1,200 ₹ से ही होगी। यह अशुद्धि लेख सम्बन्धी अशुद्धि है। इसका तलपट के मिलान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

उदाहरण 1: राम से 13,000 ₹ का माल खरीदा जो क्रय पुस्तक में 31,000 ₹ से लिखा गया तथा क्रय पुस्तक से राम के खाते में भी 31,000 ₹ से क्रेडिट हो गया।

इस प्रविष्टि का निम्न प्रभाव होगा।

1. क्रय खाता .18,000 (31,000 – 13,000) ₹ से अधिक डेबिट हो गया, तथा
2. राम का खाता 13,000 ₹ के स्थान पर 31,000 ₹ से क्रेडिट हो गया। इस अशुद्धि के सुधार हेतु राम के खाते को 18,000 ₹ से डेबिट तथा क्रय खाते को भी 18,000 ₹ से क्रेडिट करना होगा।

	Ram's A/c Dr. To Purchases A/c		18,000	18,000

उदाहरण 2: श्री राम ब्रदर्स की विक्रय पुस्तक का योग 12,000 ₹ से अधिक लग गया। शोधन यह एकपक्षीय अशुद्धि है अर्थात् विक्रय खाता 12,000 ₹ से अधिलिखित है। इसमें सुधार हेतु निम्न प्रविष्टि की जायेगी।

	Sales A/c Dr. To Suspense A/c		12,000	12,000

विक्रय खाते का क्रेडिट शेष होता है। इस खाते का योग 12,000 ₹ से अधिक होने के कारण उस खाते को डेबिट करना होगा तथा उचन्ती खाते (Suspense A/c) को क्रेडिट।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

प्रश्न 4 सामान्यतः व्यावसायिक लेन-देनों के अभिलेखन के समय की जाने वाली अशुद्धियाँ कौन-कौनसी होती हैं? समझाइए।

उत्तर – सामान्यतः व्यावसायिक अभिलेखन के समय की जाने वाली अशुद्धियों को निम्न भागों में बाँटा जा सकता

1. लेख अशुद्धियाँ (Errors of Commission)
2. लोप अशुद्धियाँ (Errors of Omission)
3. सैद्धान्तिक अशुद्धियाँ (Errors of Principle)
4. क्षतिपूरक अशुद्धियाँ (Compensatory Errors)

इनका विस्तृत वर्णन निम्न प्रकार है:

(1) लेख अशुद्धियाँ (Errors of Commission): यह ऐसी अशुद्धियाँ हैं जो कि लेन-देनों की गलत खतौनी, खातों के गलत योग, अथवा गलत शेष, सहायक बहियों के गलत योग, प्रारम्भिक लेखापुस्तकों में गलत अभिलेखन, इत्यादि से होती हैं।

उदाहरणार्थ:

रवि ट्रेडर्स ने पाल ट्रेडर्स (वस्तुओं के आपूर्तिकर्ता) को 25,000 ₹ का भुगतान किया। इस लेन-देन का रोकड़ बही में सही अभिलेखन हो गया। परन्तु खाताबही में खतौनी के समय पाल ट्रेडर्स के खाते में केवल 2,500 ₹ जमा लिखे गए। यह एक लेख अशुद्धि है। परिभाषा के अनुसार यह अशुद्धि, लिपिक अशुद्धि है और ऐसी अशुद्धियाँ तलपट के मिलान को प्रभावित करती हैं।

Fukey Education

(2) लोप अशुद्धियाँ (Errors of Omission): लोप अशुद्धियाँ, प्रारम्भिक लेखे की बहियों में अभिलेखन के समय अथवा खाताबही में खतौनी के समय हो जाती हैं। यह दो प्रकार की होती हैं:

1. पूर्ण लोप अशुद्धि-जब कोई लेन-देन पुस्तकों/बहियों में प्रविष्ट होने से पूरी तरह रह जाता है तो ऐसी अशुद्धि पूर्ण लोप अशुद्धि होती है। उदाहरणतया, राम को की गई 10,000 ₹ की उधार विक्रय की प्रविष्टि का विक्रय बही में न होना।
2. आंशिक लोप अशुद्धि जब एक लेन-देन की प्रविष्टि बहियों में होने से आंशिक रूप से रह जाती है तो ऐसी अशुद्धि आंशिक लोप अशुद्धि होती है। उपरोक्त उदाहरण में यदि उधार

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

विक्रय की प्रविष्टि विक्रय बही में हो जाती है, परन्तु विक्रय बही से खतौनी राम के खाते में नहीं हो पाती, तो यह आंशिक लोप अशुद्धि होगी।

(3) सैद्धान्तिक अशुद्धियाँ (Errors of Principle): लेखांकन प्रविष्टियाँ सामान्यतः मान्य लेखांकन सिद्धान्तों के अनुसार अभिलेखित की जाती हैं। यदि इन सिद्धान्तों में से किसी का उल्लंघन हो या उन्हें अनदेखा कर दिया जाए तो इसके परिणामस्वरूप उत्पन्न हुई अशुद्धियों को सैद्धान्तिक अशुद्धियों के रूप में जाना जाता है। सैद्धान्तिक अशुद्धियाँ, पूँजीगत और आयगत के रूप में व्ययों अथवा प्राप्तियों के गलत वर्गीकरण के कारण भी हो सकती हैं।

यह अत्यन्त महत्त्वपूर्ण हैं क्योंकि इनका प्रभाव वित्तीय विवरणों पर पड़ता है। इसके फलस्वरूप आय अथवा परिसम्पत्तियाँ अथवा देयताएँ इत्यादि कम/अधिक मूल्य पर उल्लेखित की जाती हैं। उदाहरणार्थ, भवन के विस्तार पर व्यय की गई राशि को पूँजीगत व्यय ही माना जाना चाहिए और परिसम्पत्ति खाते (भवन) में 'नाम' में लिखी जानी चाहिए। इसके स्थान पर यदि यह राशि रख-रखाव व मरम्मत खाते के नाम पक्ष में लिख दी जाए तो यह आयगत व्यय बन जाएगी।

इस प्रकार यह एक सैद्धान्तिक अशुद्धि है। इसी प्रकार से यदि किसी मशीन का उधार क्रय किया गया है तथा उसका अभिलेखन मूल रोजनामचा के स्थान पर क्रय बही में कर दिया है या फिर मकान मालिक को किराया दिया तथा उसे रोकड़ बही में मकान मालिक को भुगतान के रूप में अभिलेखन कर दिया गया, तो यह भी सैद्धान्तिक अशुद्धि है। यह अशुद्धियाँ तलपट को प्रभावित नहीं करती हैं।

4) क्षतिपूरक अशुद्धियाँ (Compensatory Errors): जब दो या दो से अधिक अशुद्धियाँ इस प्रकार हो जाती हैं कि इनका शुद्ध प्रभाव खातों के नाम (Dr.) पक्ष व जमा (Cr.) पक्ष पर नहीं पड़ता है तो ऐसी अशुद्धियाँ क्षतिपूरक अशुद्धियाँ कहलाती हैं। ऐसी अशुद्धियाँ तलपट के मिलान पर प्रभाव नहीं डालती हैं। उदाहरणार्थ, क्रय बही का जोड़ 5,000 ₹ अधिक लगाया गया जिसके परिणामस्वरूप क्रय खाते के नाम पक्ष में 5,000 ₹ अधिक लिख दिया गया एवं विक्रय का जोड़ 5,000 ₹ कम लगाया गया जिससे विक्रय वापसी बही के नाम में 5,000 ₹ कम लिखा गया। यह दो ऐसी अशुद्धियाँ हैं जो एक-दूसरे के प्रभाव की पूर्ति कर रही हैं। एक का आधिक्य दूसरे के घाटे

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

को पूरा कर रहा है। दोनों अशुद्धियों का शुद्ध प्रभाव शून्य है तथा ये तलपट के मिलाने को प्रभावित नहीं करेंगी।

प्रश्न 5 आप एक कम्पनी के लेखापाल हैं। यह जानने के पश्चात् कि आपके द्वारा बताए गए तलपट के जोड़ समान नहीं हैं, आप बहुत निराश हुए। बारीकी से निरीक्षण करने के पश्चात् आपको केवल एक अशुद्धि का पता चल पाया। कार्यालय उपकरण खाते का 15,600 ₹ का नाम शेष तलपट में दर्शाया गया था। हालाँकि 3,500 ₹ की राशि पर पेनड्राइव के उधार क्रय की रोजनामचे से खतौनी कार्यालय उपकरण खाते के नाम पक्ष में कर दी गई। निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें और गलत कथन की राशि भी बताएँ।

(अ) क्या कार्यालय उपकरण की राशि को तलपट में कम अथवा अधिक अथवा सही दर्शाया गया है?

(ब) क्या लेनदार की राशि को तलपट में कम अथवा अधिक अथवा सही दर्शाया गया है?

(स) क्या तलपट के जमा स्तम्भ का योग अधिक अथवा कम अथवा ठीक मूल्य पर दर्शाया गया है?

(द) क्या तलपट के नाम स्तम्भ का योग तलपट में कम अथवा अधिक अथवा सही दर्शाया गया है?

(य) यदि अशुद्धियों के संशोधन से पूर्व तलपट के नाम स्तम्भ का योग 2,40,000 ₹ है तो जमा स्तम्भ का योग कितना होगा?

उत्तर –

(अ) कार्यालय उपकरण की राशि को तलपट में अधिक दर्शाया गया है क्योंकि पेनड्राइव की लागत गलती से कार्यालय उपकरण खाते के नाम पक्ष में लिख दी गई।

(ब) पेन ड्राइव के उधार क्रय की खतौनी कार्यालय उपकरण खाते के नाम पक्ष में करने के कारण लेनदार की राशि को तलपट में कम दर्शाया गया है।

(स) तलपट के जमा स्तम्भ का योग कम मूल्य पर दर्शाया गया है।

(द) तलपट के नाम स्तम्भ का योग तलपट में सही दर्शाया गया है।

(य) यदि अशुद्धियों के संशोधन से पूर्व तलपट के नाम स्तम्भ का योग 2,40,000 ₹ है तो जमा स्तम्भ का योग

2,36,500 ₹ (2,40,000 - 3,500) होगा।

आंकिक प्रश्न:

प्रश्न 1 निम्नलिखित अशुद्धियों को संशोधित कीजिए:

(i) मोहन को 7,000 ₹ की उधार बिक्री का अभिलेखन नहीं किया गया।

(ii) रोहन से 9,000 ₹ के उधार क्रय का अभिलेखन नहीं किया गया।

(iii) राकेश को वापस किये गये 4,000 ₹ के माल का अभिलेखन नहीं हुआ।

(iv) महेश से वापस प्राप्त 1,000 ₹ के माल का अभिलेखन नहीं हुआ।

उत्तर –

संशोधित जर्नल प्रविष्टियाँ
(Rectified Journal Entries)

Date	Particulars		L.F.	Debit ₹	Credit ₹
(i)	Mohan's A/c	Dr.		7,000	
	To Sales A/c				7,000
	(Credit sales to Mohan not recorded earlier, now recorded)				
(ii)	Purchases A/c	Dr.		9,000	
	To Rohan's A/c				9,000
	(Credit Purchase of goods from Rohan not recorded earlier, now recorded)				
(iii)	Rakesh's A/c	Dr.		4,000	
	To Purchases Return A/c				4,000
	(Goods returned to Rakesh not recorded, now recorded)				
(iv)	Sales Return A/c	Dr.		1,000	
	To Mahesh's A/c				1,000
	(Goods returned from Mahesh not recorded, now recorded)				

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

प्रश्न 2 निम्न अशुद्धियों का संशोधन कीजिए:

(i) मोहन को 7,000 ₹ की उधार बिक्री का अभिलेखन 700 ₹ किया गया।

(ii) रोहन से 9,000 ₹ की उधार क्रय का अभिलेखन 900 ₹ किया गया।

(iii) राकेश को वापस किये गये 4,000 ₹ के माल का अभिलेखन 400 ₹ किया गया।

(iv) महेश से वापस प्राप्त 1,000 ₹ के माल का अभिलेखन 100 ₹ किया गया।

उत्तर –

संशोधित जर्नल प्रविष्टियाँ
(Rectified Journal Entries)

Date	Particulars	L. F.	Debit ₹	Credit ₹
(i)	Mohan's A/c Dr.		6,300	
	To Sales A/c			6,300
	(Credit sales of ₹ 7,000 recorded as ₹ 700, now corrected)			
(ii)	Purchases A/c Dr.		8,100	
	To Rohan's A/c			8,100
	(Credit purchase of ₹ 9,000 recorded as ₹ 900, now corrected)			
(iii)	Rakesh's A/c Dr.		3,600	
	To Purchases Return A/c			3,600
	(Goods returned to Rakesh ₹ 4,000 recorded as ₹ 400, now corrected)			
(iv)	Sales Return A/c Dr.		900	
	To Mahesh's A/c			900
	(Goods returned from Mahesh ₹ 1,000 recorded as ₹ 100, now corrected)			

प्रश्न 3 निम्न अशुद्धियों का संशोधन कीजिए:

उत्तर –

(i) मोहन को 7,000 ₹ की उधार विक्रय का अभिलेखन 7,200 ₹ किया गया।

(ii) रोहन से 9,000 ₹ की उधार क्रय का अभिलेखन 9,900 ₹ किया गया।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

(iii) राकेश को वापस किये गए 4,000 ₹ के माल का अभिलेखन 4,040 ₹ किया गया।

(iv) महेश से वापस प्राप्त 1,000 ₹ के माल का अभिलेखन 1,600 ₹ किया गया।

संशोधित जर्नल प्रविष्टियाँ
(Rectified Journal Entries)

Date	Particulars		L. F.	Debit ₹	Credit ₹
(i)	Sales A/c	Dr.		200	
	To Mohan's A/c				200
	(Credit sales of ₹ 7,000 to Mohan recorded as ₹ 7,200, now corrected)				
(ii)	Rohan's A/c	Dr.		900	
	To Purchases A/c				900
	(Credit purchase from Rohan ₹ 9,000 recorded as ₹ 9,900, now corrected)				
(iii)	Purchases Return A/c	Dr.		40	
	To Rakesh's A/c				40
	(Goods returned to Rakesh ₹ 4,000 recorded as ₹ 4,040, now corrected)				
(iv)	Mahesh's A/c	Dr.		600	
	To Sales Return A/c				600
	(Goods returned from Mahesh ₹ 1,000 recorded as ₹ 1,600, now rectified)				

प्रश्न 4 निम्न अशुद्धियों का संशोधन कीजिए:

(i) 5,000 ₹ के वेतन भुगतान को कर्मचारी के व्यक्तिगत खाते के नाम पक्ष में लिखा गया।

(ii) 4,000 ₹ के किराया भुगतान को भूस्वामी के व्यक्तिगत खाते के नाम पक्ष में लिखा गया।

(iii) व्यवसाय के स्वामी द्वारा निजी प्रयोग हेतु 1,000 ₹ का माल निकाला गया, इसे 'विविध व्यय' खाते के नाम पक्ष में लिखा गया।

(iv) कोहली से प्राप्त 2,000 ₹ की खतौनी कपूर के खाते में कर दी गई।

(v) बाबू को दिए गए 1,500 ₹ के नकद भुगतान की खतौनी साबू के खाते में की गई।

उत्तर –

संशोधित जर्नल प्रविष्टियाँ
(Rectified Journal Entries)

Date	Particulars	L.F.	Debit ₹	Credit ₹
(i)	Salary A/c Dr.		5,000	
	To Employee's Personal A/c			5,000
	(Salary paid, wrongly debited to employee's personal a/c, now rectified.)			
(ii)	Rent A/c Dr.		4,000	
	To Landlord's Personal A/c			4,000
	(Rent paid, wrongly posted to landlord's personal a/c, now corrected.)			
(iii)	Drawings in Goods A/c Dr.		1,000	
	To Sundry Exp. A/c			1,000
	(Goods withdrawn for personal use wrongly debited to Sundry expenses a/c, now corrected.)			
(iv)	Kapur's A/c Dr.		2,000	
	To Kohli's A/c			2,000
	(Cash received from Kohli wrongly posted to Kapur's a/c, now corrected.)			
(v)	Babu's A/c Dr.		1,500	
	To Sabu's A/c			1,500
	(Cash paid to Babu wrongly posted to Sabu's a/c, now corrected.)			

प्रश्न 5 निम्न अशुद्धियों का संशोधन कीजिए:

(i) मोहन को किये गये 7,000 ₹ के विक्रय को क्रय बही में अभिलेखित किया गया।

(ii) रोहन से की गई 900 ₹ की उधार क्रय को विक्रय बही में अभिलेखित किया गया।

(iii) राकेश को लौटाई गई 4,000 ₹ की वस्तुओं का अभिलेखन विक्रय वापसी बही में किया गया।

(iv) महेश से वापस प्राप्त 1,000 ₹ के माल को क्रय वापसी बही में अभिलेखित किया गया।

(v) महेश को वापस किये गये 2,000 ₹ के माल को क्रय बही में अभिलेखित किया गया।

उत्तर –

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

संशोधित जर्नल प्रविष्टियाँ
(Rectified Journal Entries)

Date	Particulars	L. F.	Debit ₹	Credit ₹
(i)	Mohan's A/c Dr.		14,000	
	To Sales A/c			7,000
	To Purchases A/c			7,000
	(Credit sales to Mohan wrongly entered in Purchases Book, now rectified.)			
(ii)	Purchases A/c Dr.		900	
	Sales A/c Dr.		900	
	To Rohan's A/c			1,800
	(Credit purchase from Rohan wrongly posted in Sales Book, now corrected.)			
(iii)	Rakesh's A/c Dr.		8,000	
	To Purchases Return A/c			4,000
	To Sales Return A/c			4,000
	(Goods returned to Rakesh wrongly recorded in Sales Return Book, now rectified.)			
(iv)	Sales Return A/c Dr.		1,000	
	Purchases Return A/c Dr.		1,000	
	To Mahesh's A/c			2,000
	(Goods returned from Mahesh wrongly entered in Purchases Return Book, now corrected.)			
(v)	Mahesh A/c Dr.		4,000	
	To Purchases Return A/c			2,000
	To Purchases A/c			2,000
	(Goods returned to Mahesh wrongly recorded in Purchases Book, now corrected.)			

प्रश्न 6 निम्न अशुद्धियों का संशोधन कीजिए:

(i) विक्रय बही का योग 700 ₹ अधिक लगाया गया।

(ii) क्रय बही का योग 500 ₹ अधिक लगाया गया।

(ii) विक्रय वापसी बही का योग 300 ₹ अधिक लगाया गया।

(iv) क्रय वापसी बही का योग 200 ₹ से अधिक लगाया गया।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

उत्तर –

संशोधित जर्नल प्रविष्टियाँ
(Rectified Journal Entries)

Date	Particulars		L.F.	Debit ₹	Credit ₹
(i)	Sales A/c	Dr.		700	
	To Suspense A/c				700
	(Overcasting of Sales Book corrected.)				
(ii)	Suspense A/c	Dr.		500	
	To Purchases A/c				500
	(Overcasting of Purchase Book corrected.)				
(iii)	Suspense A/c	Dr.		300	
	To Sales Return A/c				300
	(Overcasting of Sales Return Book corrected.)				
(iv)	Purchases Return A/c	Dr.		200	
	To Suspense A/c				200
	(Overcasting of Purchase Return Book corrected.)				

प्रश्न 7 निम्न अशुद्धियों का संशोधन कीजिए:

(अ) विक्रय बही का योग 300 ₹ कम लगाया गया।

(ब) क्रय बही का योग 400 ₹ कम लगाया गया।

(स) विक्रय वापसी बही का योग 200 ₹ कम लगाया गया।

(द) क्रय वापसी बही का योग 100 ₹ कम लगाया गया।

उत्तर –

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

संशोधित जर्नल प्रविष्टियाँ
(Rectified Journal Entries)

Date	Particulars	L.F.	Debit ₹	Credit ₹
(अ)	Suspense A/c Dr.		300	
	To Sales A/c			300
	(Undercast of Sales Book corrected.)			
(ब)	Purchases A/c Dr.		400	
	To Suspense A/c			400
	(Undercast of Purchase Book corrected.)			
(स)	Sales Return A/c Dr.		200	
	To Suspense A/c			200
	(Undercast of Sales Return Book corrected.)			
(द)	Suspense A/c Dr.		100	
	To Purchases Return A/c			100
	(Undercast of Purchase Return Book corrected.)			

प्रश्न 8 निम्न अशुद्धियों का संशोधन कीजिए तथा उचंती खाता तैयार कर अन्तर की राशि को ज्ञात कीजिए:

(अ) मोहन को 7,000 ₹ की उधार विक्रय की खतौनी नहीं की गई।

(ब) रोहन से 9,000 ₹ की उधार क्रय की खतौनी नहीं की गई।

(स) राकेश को वापस किये गये 4,000 ₹ के माल की खतौनी नहीं की गई।

(द) महेश द्वारा वापस किये गये 1,000 ₹ के माल की खतौनी नहीं की गई।

(य) गणेश को किए गए 3,000 ₹ के नकद भुगतान की खतौनी नहीं की गई।

(र) 2,000 ₹ नकद विक्रय की खतौनी नहीं की गई।

उत्तर –

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

संशोधित जर्नल प्रविष्टियाँ
(Rectified Journal Entries)

Date	Particulars	L.F.	Debit ₹	Credit ₹
(अ)	Mohan's A/c Dr.		7,000	
	To Suspense A/c			7,000
	(Credit sales to Mohan not posted, now posted.)			
(ब)	Suspense A/c Dr.		9,000	
	To Rohan's A/c			9,000
	(Credit purchase from Rohan not posted, now posted.)			
(स)	Rakesh's A/c Dr.		4,000	
	To Suspense A/c			4,000
	(Goods returned to Rakesh not posted, now posted.)			
(द)	Suspense A/c Dr.		1,000	
	To Mahesh's A/c			1,000
	(Not posting of goods returned from Mahesh, now posted.)			
(य)	Ganesh's A/c Dr.		3,000	
	To Suspense A/c			3,000
	(Cash paid to Ganesh not posted, now posted.)			
(र)	Suspense A/c Dr.		2,000	
	To Sales A/c			2,000
	(Cash Sales now posted.)			

Dr. Suspense A/c Cr.

Particulars	Amount	Particulars	Amount
To Rohan's A/c	9,000	By Mohan's A/c	7,000
To Mahesh's A/c	1,000	By Rakesh's A/c	4,000
To Sales A/c	2,000	By Ganesh's A/c	3,000
To Diff. in Trial Balance	2,000		
	14,000		14,000

प्रश्न 9 निम्न अशुद्धियों का संशोधन कीजिए तथा उचन्ती खाता तैयार कर तलपट में अन्तर ज्ञात कीजिए:

(अ) मोहन को 7,000 ₹ के उधार विक्रय की खतौनी 9,000₹ से कर दी गई।

(ब) रोहन से 9,000 ₹ के उधार क्रय की खतौनी 6,000 ₹ से कर दी गई।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

(स) राकेश को वापस किये गये 4,000 ₹ के माल की खतौनी 5,000 ₹ से कर दी गई।

(द) महेश द्वारा वापस किये गये 1,000 ₹ के माल की खतौनी 3,000 ₹ से कर दी गई।

(य) 2,000 ₹ की नकद विक्रय की खतौनी 200 ₹ से कर दी गई।

उत्तर –

संशोधित जर्नल प्रविष्टियाँ
(Rectified Journal Entries)

Date	Particulars	L.F.	Debit ₹	Credit ₹
(अ)	Suspense A/c Dr.		2,000	
	To Mohan's A/c			2,000
	(Credit sales to Mohan ₹ 7,000 posted as ₹ 9,000, now rectified.)			
(ब)	Suspense A/c Dr.		3,000	
	To Rohan's A/c			3,000
	(Credit purchase from Rohan ₹ 9,000 posted as ₹ 6,000, now corrected.)			
(स)	Suspense A/c Dr.		1,000	
	To Rakesh's A/c			1,000
	(Goods worth ₹ 4,000 returned to Rakesh posted as ₹ 5,000, now corrected.)			
(द)	Mahesh's A/c Dr.		2,000	
	To Suspense A/c			2,000
	(Goods returned from Mahesh ₹ 1,000 posted as ₹ 3,000, now corrected.)			
(य)	Suspense A/c Dr.		1,800	
	To Sales A/c			1,800
	(Cash Sales ₹ 2,000 posted as ₹ 200, now corrected.)			

Dr. Suspense A/c Cr.

Particulars	Amount	Particulars	Amount
To Mohan's A/c	2,000	By Mahesh's A/c	2,000
To Rohan's A/c	3,000	By Diff. in Trial Balance	5,800
To Rakesh's	1,000		
To Sales A/c	1,800		
	7,800		7,800

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

प्रश्न 10 निम्नलिखित अशुद्धियों का संशोधन कीजिए:

(अ) मोहन को 7,000 ₹ के उधार विक्रय की खतौनी करण के खाते में कर दी गई।

(ब) रोहन से 9,000 ₹ के उधार क्रय की खतौनी गोविन्द के खाते में कर दी गई।

(स) राकेश को वापस किये गये 4,000 ₹ के माल की खतौनी नरेश के खाते में कर दी गई।

(द) महेश द्वारा वापस किये गये 1,000 ₹ के माल की खतौनी मनीष के खाते में कर दी गई।

(य) 2,000 ₹ के नकद विक्रय की खतौनी 'कमीशन' खाते में कर दी गई।

उत्तर –

संशोधित जर्नल प्रविष्टियाँ
(Rectified Journal Entries)

Date	Particulars		L. F.	Debit ₹	Credit ₹
(अ)	Mohan's A/c	Dr.		7,000	
	To Karan's A/c				7,000
	(Credit sales to Mohan wrongly posted to Karan's A/c, now corrected.)				
(ब)	Govind's A/c	Dr.		9,000	
	To Rohan's A/c				9,000
	(Credit purchase from Rohan wrongly posted to Govind's A/c, now corrected.)				
(स)	Rakesh's A/c	Dr.		4,000	
	To Naresh's A/c				4,000
	(Goods returned to Rakesh wrongly posted to Naresh's A/c, now rectified.)				
(द)	Manish's A/c	Dr.		1,000	
	To Mahesh's A/c				1,000
	(Goods returned from Mahesh wrongly posted to Manish's A/c, now corrected.)				
(य)	Commission A/c	Dr.		2,000	
	To Sales A/c				2,000
	(Cash sales of ₹ 2,000 wrongly posted to Commission a/c, now corrected.)				

प्रश्न 11 निम्नलिखित अशुद्धियों का संशोधन यह मानकर कीजिए कि उचंती खाता खोला गया था। तलपट में अन्तर की राशि ज्ञात कीजिए:

(अ) मोहन को 7,000 ₹ के उधार विक्रय की खतौनी उसके खाते के नाम पक्ष में कर दी गई।

(ब) रोहन से 9,000 ₹ के उधार क्रय की खतौनी उसके खाते के नाम पक्ष में 6,000 ₹ से कर दी गई।

(स) राकेश को वापस किये गये 4,000 ₹ के माल की खतौनी उसके खाते के जमा पक्ष में कर दी गई।

(द) महेश द्वारा वापस किये गये 1,000 ₹ के माल की खतौनी उसके खाते के नाम पक्ष में 2,000 ₹ से 'कर दी गई।

(य) 2,000 ₹ की नकद विक्रय की खतौनी विक्रय खाते के नाम पक्ष में 5,000 ₹ से कर दी गई।

उत्तर –

Future's Key
Fukey Education

संशोधित जर्नल प्रविष्टियाँ
(Rectified Journal Entries)

Date	Particulars		L.F.	Debit ₹	Credit ₹
(अ)	Mohan's A/c	Dr.		14,000	
	To Suspense A/c				14,000
	(Credit sales to Mohan posted to his credit, now corrected.)				
(ब)	Suspense A/c	Dr.		15,000	
	To Rohan's A/c				15,000
	(Credit purchase of ₹ 9,000 from Rohan posted to his debit, as ₹ 6,000, now corrected.)				
(स)	Rakesh's A/c	Dr.		8,000	
	To Suspense A/c				8,000
	(Goods returned to Rakesh posted to his credit, now corrected.)				
(स)	Suspense A/c	Dr.		3,000	
	To Mahesh's A/c				3,000
	(Goods returned from Mahesh ₹ 1,000 posted to his debit as ₹ 2,000, now corrected.)				
(य)	Suspense A/c	Dr.		7,000	
	To Sales A/c				7,000
	(Cash sales of ₹ 2,000 posted to Dr. sales as ₹ 5,000, now corrected.)				

Dr. **Suspense A/c** **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Rohan's A/c	15,000	By Mohan's A/c	14,000
To Mahesh's A/c	3,000	By Rakesh's A/c	8,000
To Sales A/c	7,000	By Difference in Trial Balance	3,000
	25,000		25,000

प्रश्न 12 निम्नलिखित अशुद्धियों का संशोधन यह मान कर कीजिए कि उचन्ती खाता खोला गया है। तलपट में अन्तर की राशि ज्ञात कीजिए:

(अ) मोहन को 7,000 ₹ की उधार विक्रय की खतौनी करण के खाते में 5,000 ₹ से कर दी गई।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

(ब) रोहन से 9,000 ₹ का उधार क्रय गोविन्द के खाते में 10,000 ₹ से नाम पक्ष में लिखा गया।

(स) राकेश को 4,000 ₹ की माल वापसी की खतौनी नरेश के खाते के जमा पक्ष में 3,000 ₹ से की गई।

(द) महेश से 1,000 की माल वापसी की खतौनी मनीष के खाते के नाम पक्ष में 2,000 ₹ से की गई। (य) 2,000 ₹ के नकद विक्रय की खतौनी कमीशन खाते में 200 ₹ से कर दी गई।

संशोधित जर्नल प्रविष्टियाँ
(Rectified Journal Entries)

Date	Particulars		L.F.	Debit ₹	Credit ₹
(अ)	Mohan's A/c	Dr.		7,000	
	To Karan's A/c				5,000
	To Suspense A/c				2,000
	(Credit sales ₹ 7,000 to Mohan wrongly posted to Karan's A/c for ₹ 5,000, now corrected.)				
(ब)	Suspense A/c	Dr.		19,000	
	To Rohan's A/c				9,000
	To Govind's A/c				10,000
	(Credit purchase from Rohan ₹ 9,000 wrongly posted to debit of Govind, now corrected.)				
(स)	Rakesh's A/c	Dr.		4,000	
	Naresh's A/c	Dr.		3,000	
	To Suspense A/c				7,000
	(Goods returned to Rakesh ₹ 4,000, wrongly posted to credit of Naresh as ₹ 3,000, now corrected.)				
(द)	Suspense A/c	Dr.		3,000	
	To Mahesh's A/c				1,000
	To Manish's				2,000
	(Goods returned from Mahesh ₹ 1,000 wrongly posted to debit of Manish as ₹ 2,000, now corrected.)				
(य)	Commission A/c	Dr.		200	
	Suspense A/c	Dr.		1,800	
	To Sales A/c				2,000
	(Cash sales of ₹ 2,000 wrongly posted to Commission a/c as ₹ 200, now corrected.)				

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

Dr. Suspense A/c Cr.

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Rohan's A/c	9,000	By Mohan's A/c	2,000
To Govind's A/c	10,000	By Rakesh's A/c	4,000
To Mahesh's A/c	1,000	By Naresh's A/c	3,000
To Manish's A/c	2,000	By Difference in Trial Balance	
To Sales A/c	1,800		14,800
	23,800		23,800

प्रश्न 13 यह मानते हुए कि उचन्ती खाता खोला गया है निम्नलिखित अशुद्धियों का शोधन करें, साथ ही तलपट में अन्तर की राशि ज्ञात करें।

(i) मोहन को 7,000 ₹ के उधार विक्रय का अभिलेखन क्रय बही में कर दिया गया हालाँकि मोहन का खाता सही नाम किया गया था।

(ii) रोहन से 9,000 ₹ के उधार क्रय का अभिलेखन विक्रय बही में कर दिया गया हालाँकि रोहन के खाते को सही जमा किया गया था।

(iii) राकेश को 4,000 ₹ के माल वापसी का अभिलेखन विक्रय वापसी बही में कर दिया गया हालाँकि राकेश के खाते को सही नाम किया गया था।

(iv) महेश से 1,000 ₹ के माल वापसी का अभिलेखन क्रय वापसी बही में कर दिया गया हालांकि महेश के खाते को सही जमा किया गया था।

(v) नरेश को 2,000 ₹ की माल वापसी का अभिलेखन क्रय बही में कर दिया गया हालांकि नरेश के खाते को सही नाम किया गया था।

उत्तर –

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

संशोधित जर्नल प्रविष्टियाँ
(Rectified Journal Entries)

Date	Particulars	L.F.	Debit ₹	Credit ₹
(i)	Suspense A/c Dr.		14,000	
	To Purchases A/c			7,000
	To Sales A/c			7,000
	(Credit sales to Mohan wrongly recorded in Purchase Book although Mohan's a/c correctly debited, now corrected.)			
(ii)	Purchases A/c Dr.		9,000	
	Sales A/c Dr.		9,000	
	To Suspense A/c			18,000
	(Credit purchase from Rohan wrongly recorded in Sales Book although Rohan's a/c correctly credited, now corrected.)			
(iii)	Suspense A/c Dr.		8,000	
	To Purchases Return A/c			4,000
	To Sales Return A/c			4,000
	(Goods returned to Rakesh wrongly recorded in Sales Return Book but Rakesh's a/c correctly posted, now corrected.)			
(iv)	Sales Return A/c Dr.		1,000	
	Purchases Return A/c Dr.		1,000	
	To Suspense A/c			2,000
	(Goods returned from Mahesh wrongly recorded in Purchase Return Book although Mahesh's a/c correctly credited, now corrected.)			
(v)	Suspense A/c Dr.		4,000	
	To Purchases Return A/c			2,000
	To Purchases A/c			2,000
	(Goods returned to Naresh wrongly recorded in Purchase Book although Naresh's a/c correctly debited, now corrected.)			

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

Dr.	Suspense A/c		Cr.
Particulars	**Amount ₹**	**Particulars**	**Amount ₹**
To Purchases A/c	7,000	By Purchases A/c	9,000
To Sales A/c	7,000	By Sales A/c	9,000
To Purchase Return A/c	4,000	By Sales Return A/c	1,000
To Sales Return A/c	4,000	By Purchase Return A/c	1,000
To Purchases Return A/c	2,000	By Difference in Trial Balance	6,000
To Purchases A/c	2,000		
	26,000		26,000

प्रश्न 14 निम्नलिखित अशुद्धियों का संशोधन कीजिए।

(अ) 10,000 ₹ के फर्नीचर क्रय को गलती से क्रय खाते के नाम पक्ष में लिखा गया।

(ब) रमन से उधार क्रय की गई 20,000 ₹ की मशीन का अभिलेखन क्रय बही में कर दिया गया।

(स) मशीन की मरम्मत पर व्यय 1,400 ₹ को मशीन खाते के नाम पक्ष में लिखा गया

(द) पुरानी क्रय की गई मशीन की मरम्मत पर हुए 2,000 ₹ के व्यय को 'मरम्मत खाते' के नाम पक्ष में लिखा गया।

(य) पुरानी मशीन (जिसका मूल्य 3,000 ₹ है) के विक्रय को विक्रय खाते के जमा पक्ष की ओर लिखा

उत्तर –

Fukey Education

संशोधित जर्नल प्रविष्टियाँ
(Rectified Journal Entries)

Date	Particulars	L.F.	Debit ₹	Credit ₹
(अ)	Furniture A/c Dr.		10,000	
	To Purchases A/c			10,000
	(Furniture purchased wrongly debited to Purchases A/c, now corrected.)			
(ब)	Machinary A/c Dr.		20,000	
	To Purchases A/c			20,000
	(Machinery purchased on credit wrongly recorded in Purchases Book, now rectified.)			
(स)	Repairs A/c Dr.		1,400	
	To Machinery A/c			1,400
	(Repairs on machinery wrongly debited to Machinery a/c, now corrected.)			
(द)	Machinery A/c Dr.		2,000	
	To Repairs A/c			2,000
	(Repairs on secondhand machinery purchased ₹ 2,000 wrongly debited to Repairs A/c, now corrected.)			
(य)	Sales A/c Dr.		3,000	
	To Machinery A/c			3,000
	(Sales of old machinery wrongly credited to Sales A/c, now corrected.)			

प्रश्न 15 उचंती खाते को खोलते हुए निम्नलिखित अशुद्धियों का शोधन कीजिए, साथ ही तलपट में अन्तर की राशि ज्ञात कीजिए:

(i) 10,000 ₹ की राशि पर खरीदे गए फर्नीचर को क्रय खाते के नाम पक्ष में 4,000 ₹ से दर्शाया गया।

(ii) रमन से 20,000 ₹ उधार पर खरीदी गई मशीनरी का अभिलेखन क्रय बही में 6,000 ₹ की राशि से किया गया।

(iii) मशीनरी की मरम्मत पर हुए 1,400 ₹ के व्यय को मशीनरी खाते में 2,400 ₹ से नाम किया गया।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

(iv) खरीदी गई पुरानी मशीनरी की मरम्मत पर व्यय हुए 2,000 ₹ को मरम्मत खाते में 200 ₹ से नाम किया गया।

(v) 3,000 ₹ के पुस्तक मूल्य पर दिखाई गई पुरानी मशीनरी को विक्रय खाते में 5,000 ₹ से जमा किया गया।

उत्तर –

संशोधित जर्नल प्रविष्टियाँ
(Rectified Journal Entries)

Date	Particulars		L.F.	Debit ₹	Credit ₹
(i)	Furniture A/c	Dr.		10,000	
	To Purchases A/c				4,000
	To Suspense A/c				6,000
	(Furniture purchased for ₹ 10,000 wrongly debited to Purchase A/c as ₹ 4,000, now corrected.)				
(ii)	Machinery A/c	Dr.		20,000	
	To Purchases A/c				6,000
	To Raman A/c				14,000
	(Machinery purchased from Raman for ₹ 20,000 wrongly recorded in Purchase Book as ₹ 6,000, now corrected.)				
(iii)	Repairs A/c	Dr.		1,400	
	Suspense A/c	Dr.		1,000	
	To Machine A/c				2,400
	(Repairs on machinery ₹ 1,400 wrongly debited to Machinery a/c as ₹ 2,400, now corrected.)				
(iv)	Machinery A/c	Dr.		2,000	
	To Repairs A/c				200
	To Suspense A/c				1,800
	(Overhauling of secondhand machinery purchased ₹ 2,000 wrongly debited to Repairs a/c as ₹ 200, now corrected.)				
(v)	Sales A/c	Dr.		5,000	
	To Machinery A/c				3,000
	To Suspense A/c				2,000
	(Sales of old machinery ₹ 3,000 wrongly credited to Sales A/c as ₹ 5,000, now corrected.)				

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

Suspense A/c

Dr. Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹ Cr.
To Machinery A/c	1,000	By Furniture A/c	6,000
To Difference in Trial Balance	8,800	By Machinary A/c	1,800
		By Sales A/c	2,000
	9,800		9,800

प्रश्न 16 निम्नलिखित अशुद्धियों का शोधन कीजिए :

(अ) मशीन पर लगाए गए 4,000 ₹ के ह्रास की खतौनी नहीं की गई।

(ब) 5,000 ₹ अपलिखित डूबत-ऋण की खतौनी नहीं की गई।

(स) देनदार से नकद प्राप्त करते समय उसे प्रदान की गई 100 ₹ की छूट की खतौनी नहीं की गई।

(द) देनदार से प्राप्त 2.000 ₹ की प्राप्य-विपत्र राशि की खतौनी नहीं की गई।

उत्तर –

संशोधित जर्नल प्रविष्टियाँ
(Rectified Journal Entries)

Date	Particulars	L.F.	Debit ₹	Credit ₹
(अ)	Depreciation A/c Dr.		4,000	
	To Machinery A/c			4,000
	(Depreciation provided on machinery not posted, now corrected.)			
(ब)	Bad Debts A/c Dr.		5,000	
	To Debtors A/c			5,000
	(Bad Debts written off not posted, now corrected.)			
(स)	Discount A/c Dr.		100	
	To Debtor's A/c			100
	(Discount allowed to debtor not posted, now corrected.)			
(द)	Bills Receivable A/c Dr.		2,000	
	To Debtor's A/c			2,000
	(Bills Receivable received from a debtor not posted, now corrected.)			

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

प्रश्न 17 निम्नलिखित अशुद्धियों का शोधन करें:

(i) मशीनरी पर लगाए गए 4,000 ₹ की ह्रास राशि की खतौनी 400 ₹ की गई।

(ii) 5,000 ₹ के अपलिखित डूबत ऋणों की खतौनी 6,000 ₹ से की गई।

(iii) देनदार को दिये गये 100 ₹ के बट्टे की खतौनी 60 ₹ से की गई।

(iv) व्यापार के स्वामी द्वारा व्यक्तिगत उपयोग के लिए 800 ₹ के आहरित माल की खतौनी 300 ₹ से की गई।

(v) देनदार से प्राप्त 2,000 ₹ के प्राप्य-विपत्र की खतौनी 3,000 ₹ से की गई।

उत्तर –

संशोधित जर्नल प्रविष्टियाँ
(Rectified Journal Entries)

Date	Particulars	L.F.	Debit ₹	Credit ₹
(i)	Depreciation A/c Dr.		3,600	
	To Machinery A/c			3,600
	(Depreciation provided on machinery ₹ 4,000 posted as ₹ 400, now corrected.)			
(ii)	Debtors A/c Dr.		1,000	
	To Bad Debts A/c			1,000
	(Bad debts written off ₹ 5,000 posted as ₹ 6,000, now corrected.)			
(iii)	Discount A/c Dr.		40	
	To Debtors A/c			40
	(Discount allowed to debtor ₹ 100 posted as ₹ 60, now corrected.)			
(iv)	Drawings A/c Dr.		500	
	To Purchases A/c			500
	(Goods withdrawn worth ₹ 800 posted as ₹ 300, now corrected.)			
(v)	Debtors A/c Dr.		1,000	
	To Bills Receivable A/c			1,000
	(Bills Receivable received ₹ 2,000 posted as ₹ 3,000, now corrected.)			

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

प्रश्न 18 निम्नलिखित अशुद्धियों का शोधन यह मानकर कीजिए कि उचंती खाता खोला गया था। तलपट में अंतर की राशि ज्ञात कीजिए:

(अ) मशीन पर लगाए गए (आरोपित) 4,000 ₹ के ह्रास की खतौनी ह्रास खाते में नहीं की गई।

(ब) 5,000 ₹ से अपलिखित डूबत-ऋण की खतौनी 'देनदार खाते' में नहीं की गई।

(स) देनदार से नकद प्राप्त करते समय उसे प्रदान की गई 100 ₹ के बट्टे की खतौनी बट्टा खाते में नहीं की गई।

(द) व्यापार के स्वामी के द्वारा 800 ₹ के आहरित माल की खतौनी आहरण खाते में नहीं की गई।

(य) देनदार से प्राप्त 2,000 ₹ के प्राप्य-विपत्र की खतौनी प्राप्य-विपत्र खाते में नहीं की गई।

उत्तर –

संशोधित जर्नल प्रविष्टियाँ
(Rectified Journal Entries)

Date	Particulars	L.F.	Debit ₹	Credit ₹
(अ)	Depreciation A/c Dr.		4,000	
	To Suspense A/c			4,000
	(Depreciation provided not posted to Depreciation a/c, now corrected.)			
(ब)	Suspense A/c Dr.		5,000	
	To Debtors A/c			5,000
	(Bad debts written off not posted to Debtor's a/c, now corrected.)			
(स)	Discount A/c Dr.		100	
	To Suspense A/c			100
	(Discount allowed not posted to discount a/c, now corrected.)			
(द)	Drawings A/c Dr.		800	
	To Suspense A/c			800
	(Goods writhdrawn for personal use not posted to Drawing a/c, now corrected.)			
(य)	Bills Receivable A/c Dr.		2,000	
	To Suspense A/c			2,000
	(Bills Receivable not posted to Bills Receivable a/c, now corrected.)			

Dr. **Suspense A/c** Cr.

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Debtors A/c	5,000	By Depreciation A/c	4,000
To Difference in Trial Balance	1,900	By Discount A/c	100
		By Drawings A/c	800
		By Bills Receivable A/c	2,000
	6,900		6,900

प्रश्न 19 अनुज के तलपट का मिलान नहीं हुआ है। यह 6,000 ₹ अधिक जमा दर्शाता है। उसने अंतर को उचंती खाते में रखा। उसने निम्न अशुद्धियों का पता लगाया :

(अ) रवीश से प्राप्त 8,000 ₹ की खतौनी उसके खाते में 6,000 ₹ से की गई।

(ब) विक्रय वापसी बही का योग 1,000 ₹ से अधिक लिखा गया।

(स) विक्रय बही के 10,000 ₹ के योग की खतौनी विक्रय खाते में नहीं की गई।

(द) नानक से 7,000 ₹ के उधार माल क्रय की खतौनी विक्रय बही में कर दी गई जबकि नानक के खाते में सही जमा किया गया था।

(य) 10,000 ₹ की मशीन क्रय की खतौनी क्रय खाते में 5,000 ₹ से कर दी गई। अशुद्धियों को संशोधित कीजिए तथा उचन्ती खाता तैयार कीजिए।

उत्तर –

Fukey Education

संशोधित जर्नल प्रविष्टियाँ
(Rectified Journal Entries)

Date	Particulars	L. F.	Debit ₹	Credit ₹
(अ)	Suspense A/c Dr.		2,000	
	To Ravish's A/c			2,000
	(Cash received from Ravish ₹ 8,000 wrongly posted to his a/c as ₹ 6,000, now corrected.)			
(ब)	Suspense A/c Dr.		1,000	
	To Sales Return A/c			1,000
	(Sales Return Book overcast by ₹ 1,000, now corrected.)			
(स)	Suspense A/c Dr.		10,000	
	To Sales A/c			10,000
	(Total of Sales Book not posted to Sales A/c, now rectified.)			
(द)	Purchases A/c Dr.		7,000	
	Sales A/c Dr.		7,000	
	To Suspense A/c			14,000
	(Credit purchases from Nanak wrongly posted in Sales Book, although Nanak's a/c was correctly credited, now corrected.)			
(य)	Machinery A/c Dr.		10,000	
	To Purchases A/c			5,000
	To Suspense A/c			5,000
	(Machinery purchased for ₹ 10,000 wrongly posted to Purchases A/c as ₹ 5,000, now corrected.)			

Dr. **Suspense A/c** **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Ravish's A/c	2,000	By Purchases A/c	7,000
To Sales Return A/c	1,000	By Sales A/c	7,000
To Sales A/c	10,000	By Machinery A/c	5,000
To Difference in Trial Balance c/d	6,000		
	19,000		19,000

प्रश्न 20 राजू का तलपट 10,000 ₹ अधिक नाम दर्शाता है। उसने अंतर को उचंती खाते में रखा और निम्न अशुद्धियों का पता लगाया :

(अ) फर्नीचर पर अपलिखित 6,000 ₹ की ह्रास राशि की खतौनी फर्नीचर खाते में नहीं की गई।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

(ब) रूपम को 10,000 ₹ के उधार विक्रय का अभिलेखन 7,000 ₹ पर किया गया।

(स) क्रय बही का योग 2,000 ₹ कम लिखा गया।

(द) राणा को 5,000 ₹ की नकद विक्रय की खतौनी नहीं की गई।

(य) 7,000 ₹ में पुरानी मशीन के विक्रय को, विक्रय खाते के जमा पक्ष में लिखा गया।

(फ) कानन को नकद भुगतान करते समय उससे प्राप्त 800 ₹ के बट्टे की खतौनी नहीं की

उपरोक्त अशुद्धियों को संशोधित कीजिए और उचंती खाता तैयार कीजिए।

उत्तर –

संशोधित जर्नल प्रविष्टियाँ
(Rectified Journal Entries)

Date	Particulars		L.F.	Debit ₹	Credit ₹
(अ)	Suspense A/c	Dr.		6,000	
	To Furniture A/c				6,000
	(Depreciation written off on the furniture not posted to Furniture a/c, now corrected.)				
(ब)	Rupam A/c	Dr.		3,000	
	To Sales A/c				3,000
	(Credit sales to Rupam ₹ 10,000 wrongly recorded as ₹ 7,000, now corrected.)				
(स)	Purchases A/c	Dr.		2,000	
	To Suspense A/c				2,000
	(Purchases Book undercast, now corrected.)				
(द)	Suspense A/c	Dr.		5,000	
	To Sales A/c				5,000
	(Cash Sales to Rana not posted, now corrected.)				
(य)	Sales A/c	Dr.		7,000	
	To Machine A/c				7,000
	(Old machinery sold wrongly credited to Sales A/c, now corrected.)				
(फ)	Kanan's A/c	Dr.		800	
	To Discount Received A/c				800
	(Discount received from Karan not posted, now corrected.)				

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

Dr. Suspense A/c Cr.

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Furniture A/c	6,000	By Balance b/d	10,000
To Sales A/c	5,000	By Purchases A/c	2,000
To Balance c/d	1,000		
	12,000		12,000
		By Balance b/d	1,000

प्रश्न 21 मदन के तलपट का मिलान नहीं हुआ और उसने अंतर को उचंती खाते में रखा, उसने निम्न अशुद्धियों का पता लगाया:

(अ) विक्रय वापसी बही का योग 800 ₹ से अधिक था।

(ब) साह को 2.000 ₹ की क्रय वापसी की खतौनी नहीं की गई।

(स) नरूला से उधार क्रय किये गये 4,000 ₹ के माल को हालांकि 'स्टॉक' में शामिल कर लिया गया था परंतु पुस्तकों में कोई प्रविष्टि नहीं लिखी गई।

(द) नई मशीन की खरीद पर 500 ₹ के 'स्थापना व्यय' को 'विविध व्यय' खाते के नाम पक्ष में 50 ₹ से लिखा गया।

(य) मदन (व्यवसाय का स्वामी) के आवास के 1,400 ₹ किराया भुगतान को किराया खाते के नाम पक्ष में 1,000 ₹ लिखा गया।

उपरोक्त अशुद्धियों को संशोधित कीजिए, तथा तलपट में अंतर की राशि ज्ञात करने के लिए उचंती खाता तैयार कीजिए।

उत्तर –

संशोधित जर्नल प्रविष्टियाँ
(Rectified Journal Entries)

Date	Particulars		L.F.	Debit ₹	Credit ₹
(अ)	Suspense A/c	Dr.		800	
	To Sales Returns A/c				800
	(Sales Return Book overcast, now corrected.)				

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

(ब)	Sahu A/c Dr. To Suspense A/c (Purchase Return to Sahu not posted, now corrected.)	2,000	 2,000
(स)	Purchases A/c Dr. To Narula's A/c (Goods purchased from Narula not recorded, now corrected.)	4,000	 4,000
(द)	Machine A/c Dr. To Suspense A/c To Sundry Exp. A/c (Installation charges on new machinery purchased ₹ 500 wrongly debited to Sundry Exp. a/c as ₹ 50, now corrected.)	500	 450 50
(य)	Drawings A/c Dr. To Rent A/c To Suspense A/c (Rent paid for personal residence ₹ 1,400 wrongly debited to Rent a/c as ₹ 1,000, now corrected.)	1,400	 1,000 400

Dr. **Suspense A/c** **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Sales Return A/c	800	By Machinery A/c	450
To Diff. in Trial Balance	2,050	By Sahu's A/c	2,000
		By Drawings A/c	400
	2,850		2,850

प्रश्न 22 कोहली के तलपट का मिलान नहीं हुआ। यह 16,300 ₹ अधिक नाम दर्शाता है। उसने अंतर उचंती खाते में रखा और निम्न अशुद्धियों का पता लगाया :

(अ) रजत से प्राप्त 5,000 ₹ नकद की खतौनी कमल के नाम पक्ष में 6,000 ₹ से कर दी गई।

(ब) कर्मचारी को 2,000 ₹ के वेतन भुगतान को उसके व्यक्तिगत खाते के नाम पक्ष में 1,200 ₹ लिखा गया।

(स) व्यवसाय के स्वामी द्वारा निजी प्रयोग हेतु निकाले गये 1,000 ₹ के माल को विक्रय खाते के जमा पक्ष में 1,600 ₹ लिखा।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

(द) मशीन पर लगाये गए 3,000 ₹ के ह्रास की खतौनी मशीन खाते में 300 ₹ से की गई।

(य) 10,000 ₹ में पुरानी कार के विक्रय को विक्रय खाते के जमा पक्ष में 6,000 ₹ लिखा गया।

अशुद्धियों का संशोधन कीजिए एवं उचन्ती खाता बनाइये।

उत्तर –

संशोधित जर्नल प्रविष्टियाँ
(Rectified Journal Entries)

Date	Particulars	L. F.	Debit ₹	Credit ₹
(अ)	Suspense A/c Dr.		11,000	
	To Rajat's A/c			5,000
	To Kamal's A/c			6,000
	(Cash received from Rajat ₹ 5,000 wrongly debited to Kamal's A/c ₹ 6,000, now corrected.)			
(ब)	Salary A/c Dr.		2,000	
	To Suspense A/c			800
	To Employee's Personal A/c			1,200
	(Salaries ₹ 2,000 wrongly debited to personal a/c as ₹ 1,200, now corrected.)			
(स)	Sales A/c Dr.		1,600	
	To Purchases A/c			1,000
	To Suspense A/c			600
	(Drawings in goods worth ₹ 1,000 wrongly credited to Sales a/c as ₹ 1,600, now corrected.)			
(द)	Suspense A/c Dr.		2,700	
	To Machinery A/c			2700
	(Depreciation on machinery ₹ 3,000 wrongly posted to Machinery a/c as ₹ 300, now corrected.)			
(य)	Sales A/c Dr.		6,000	
	Suspense A/c Dr.		4,000	
	To Car A/c			10,000
	(Sale of old car for ₹ 10,000 wrongly credited to Sales a/c as ₹ 6,000, now corrected.)			

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

Dr.	Suspense A/c		Cr.
Particulars	**Amount ₹**	**Particulars**	**Amount ₹**
To Rajat A/c	5,000	By Balance b/d	16,300
To Kamal A/c	6,000	By Salary A/c	800
To Machinery A/c	2,700	By Sales A/c	600
To Car A/c	4,000		
	17,700		17,700

प्रश्न 23 यह मानते हुए कि उचंती खाता खोला गया है, निम्न अशुद्धियों को संशोधित करने के लिए रोजनामचा प्रविष्टियाँ दीजिए:

(अ) 5,000 ₹ के माल का मुफ्त सैंपल के रूप में वितरण का अभिलेखन पुस्तकों में नहीं किया गया।

(ब) व्यवसाय के स्वामी द्वारा निजी प्रयोग हेतु निकाले गये 2,000 ₹ के माल का अभिलेखन पुस्तकों में नहीं किया गया।

(स) देनदार से प्राप्त 6,000 ₹ के प्राप्य-विपत्र की खतौनी उसके खाते में नहीं की गई।

(द) विक्रय वापसी बही के 1,200 ₹ के योग की खतौनी क्रय वापसी खाते में कर दी गई।

(य) रीमा से नकद प्राप्त करते समय उसे प्रदान किये गये 700 ₹ के बट्टे का अभिलेखन पुस्तकों में 70 ₹ से कर दिया गया।

उत्तर –

Fukey Education

संशोधित जर्नल प्रविष्टियाँ
(Rectified Journal Entries)

Date	Particulars	L.F.	Debit ₹	Credit ₹
(अ)	Free Samples A/c Dr. To Purchases A/c (Goods distributed as free samples not recorded, now corrected.)		5,000	5,000
(ब)	Drawings A/c Dr. To Purchases A/c (Goods withdrawn for personal use not recorded, now corrected.)		2,000	2,000

(स)	Suspense A/c Dr. To Debtors A/c (B/R received not posted to debtor's a/c, now corrected.)	6,000	6,000
(द)	Sales Return A/c Dr. Purchases Return A/c Dr. To Suspense A/c (Total of Sales Return Book wrongly posted to Purchases Return Book, now corrected.)	1,200 1,200	2,400
(य)	Discount A/c Dr. To Reema's A/c (Discount allowed ₹ 700 wrongly recorded as ₹ 70, now corrected.)	630	630

Dr. Suspense A/c Cr.

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Debtors A/c	6,000	By Sales Return A/c	1,200
		By Purchases Return A/c	1,200
		By Diff. in Trial Balance	3,600
	6,000		6,000

प्रश्न 24 खटाऊ के तलपट का मिलान नहीं हुआ। उसने अंतर को उचंती खाते में रखा और निम्न अशुद्धियों का पता लगाया :

(अ) मानस को 16,000 ₹ की उधार विक्रय को क्रय बही में 10,000 ₹ से अभिलिखित किया गया और वहाँ से इसकी खतौनी मानस के नाम पक्ष में 1,000 ₹ से की गई।

(ब) नूर से. 5,000 ₹ के फर्नीचर क्रय को क्रय बही में 5,000 ₹ से अभिलिखित किया गया और वहाँ से इसकी खतौनी नूर के नाम पक्ष में 2,000 ₹ से की गई।

(स) राय को वापस किये गए 3000 ₹ के माल को विक्रय बही में 1000 ₹ से अभिलिखित किया गया।

(द) मनीष को 2,000 ₹ की पुरानी मशीन के विक्रय को विक्रय बही में 1,800 ₹ से अभिलिखित किया गया और मनीष के. जमा पक्ष में इसकी खतौनी 1,200 ₹ से की गई।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

(य) विक्रय वापसी बही के 2,800 ₹ के योग की खतौनी क्रय खाते में की गई। उक्त अशुद्धियों को संशोधित कीजिये और तलपट में अन्तर ज्ञात करने के लिए उचन्ती खाता तैयार कीजिए।

उत्तर –

संशोधित जर्नल प्रविष्टियाँ
(Rectified Journal Entries)

Date	Particulars	L.F.	Debit ₹	Credit ₹
(अ)	Manas's A/c Dr.		15,000	
	Suspense A/c Dr.		11,000	
	To Sales A/c			16,000
	To Purchases A/c			10,000
	(Credit sales to Manas ₹ 16,000 wrongly recorded in Purchases Book as ₹ 10,000 and posted to the debit of Manas as ₹ 1,000, now corrected.)			
(ब)	Furniture A/c Dr.		5,000	
	Suspense A/c Dr.		7,000	
	To Noor's A/c			7,000
	To Purchases A/c			5,000
	(Furniture purchased from Noor ₹ 5,000 wrongly recorded in Purchases Book and debited to Noor's A/c as ₹ 2,000, now corrected.)			
(स)	Rai's A/c Dr.		2,000	
	Sales A/c Dr.		1,000	
	To Purchases Ret. A/c			3,000
	(Goods returned to Rai ₹ 3,000 wrongly recorded in Sales Book as ₹ 1,000, now corrected.)			
(द)	Sales A/c Dr.		1,800	
	Manish's A/c Dr.		3,200	
	To Machinery A/c			2,000
	To Suspense A/c			3,000
	(Old machinery sold ₹ 2,000 to Manish wrongly recorded in Sales Book as ₹ 1,800 and credited to Manish's a/c as ₹ 1,200, now corrected.)			
(य)	Sales Return A/c Dr.		2,800	
	To Purchases A/c			2,800
	(Total of Sales Return Book wrongly posted to Purchases A/c, now corrected.)			

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

Suspense A/c

Dr. Particulars	Amount ₹	Particulars	Cr. Amount ₹
To Purchases A/c	10,000	By Sales A/c	1,800
To Sales A/c	1,000	By Manish A/c	1,200
To Noor A/c	7,000	By Diff. in Trial Balance	15,000
	18,000		18,000

प्रश्न 25 जॉन के तलपट का मिलान नहीं हुआ। उसने अंतर को उचंती खाते में रखा और निम्न अशुद्धियाँ पता लगाईं:

(i) विक्रय बही में जनवरी माह का योग पृष्ठ संख्या 2 से पृष्ठ संख्या 3 में 1,200 ₹ के बदले 1,000 ₹ आगे ले जाया गया और पृष्ठ संख्या 6 का योग पृष्ठ संख्या 7 पर 5,000 ₹ के बदले

5.600 ₹ आगे ले जाया गया

(ii) मशीन की स्थापना के लिए 500 ₹ मजदूरी भुगतान की खतौनी मजदूरी खाते में 50 ₹ से की गई।

(ii) आर. एंड कं. 10,000 ₹ के फर्नीचर की उधार क्रय की प्रविष्टि क्रय बही में 6,000 ₹ से की गई तथा वहां से आर एंड कं. को इसकी खतौनी 1,000 ₹ से की गई।

(iv) मोहन को किये गये 5,000 ₹ के उधार विक्रय को क्रय बही में अभिलिखित किया गया।

(v) राम को लौटाई गई 1,000 ₹ की वस्तुओं का अभिलेखन विक्रय बही में किया गया।

(vi) एस एंड. कं. से 6,000 ₹ के उधार क्रय का अभिलेखन विक्रय बही में किया गया। हालांकि

(vii) एस एंड कं. को सही जमा लिखा गया। एम एंड कं. से 6,000 ₹ की उधार खरीद को विक्रय बही में 2,000 ₹ से अभिलिखित किया गया और वहाँ से इसकी खतौनी एम एंड कं. के जमा में 1,000 ₹ से की गई।

(viii) रमन को की गई 4,000 ₹ की उधार विक्रय की खतौनी राघवन के जमा पक्ष में 1,000 ₹ से कर दी गई।

(ix) नूर से प्राप्त 1,600 ₹ प्राप्त-विपत्र अनादरित हो गया और इसकी खतौनी 'भत्ता' खाते के नाम पक्ष में कर दी गई।

(x) अपनी स्वीकृति (देय-विपत्र) के बदले मणि को किए गए 5,000 ₹ के नकद भुगतान को मनु के खाते में नाम लिखा गया।

(xi) 3,000 ₹ के पुराने फर्नीचर की विक्रय की खतौनी विक्रय बही में 1,000 ₹ से कर दी गई।

(xii) फर्नीचर पर लगाए गए 800 ₹ के ह्रास की खतौनी नहीं की गई।

(xiii) 10,000 ₹ की सामग्री का उपयोग और 3,000 ₹ की मजदूरी का भुगतान, भवन के निर्माण में हुआ। पस्तकों में इसकी कोई समायोजन प्रविष्रि नहीं की गई।

उत्तर –

संशोधित जर्नल प्रविष्टियाँ
(Rectified Journal Entries)

Date	Particulars		L.F.	Debit ₹	Credit ₹
(i)	Sales A/c	Dr.		400	
	To Suspense A/c				400
	(Sales Book overcast, now corrected.)				
(ii)	Machinery A/c	Dr.		500	
	To Wages A/c				50
	To Suspense A/c				450
	(Installation of machinery ₹ 500 wrongly posted to Wages a/c as ₹ 50, now corrected.)				
(iii)	Furniture A/c	Dr.		10,000	
	Suspense A/c	Dr.		5,000	
	To Purchases A/c				6000
	To R & Co.'s A/c				9000
	(Furniture purchased from R & Co., for ₹ 10,000, wrongly entered in Purchases Book as ₹ 6,000 and posted in as ₹1,000, now corrected.)				
(iv)	Mohan's A/c	Dr.		10,000	
	To Sales A/c				5,000
	To Purchases A/c				5,000
	(Credit sales to Mohan wrongly recorded in Purchases Book, now corrected.)				
(v)	Sales A/c	Dr.		1000	
	To Purchases Return A/c				1,000
	(Purchases Return wrongly recorded in Sales Book, now corrected.)				

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

(vi)	Purchases A/c Dr.		6,000	
	Sales A/c Dr.		6,000	
	To Suspense A/c			12,000
	(Credit Purchases from S & Co. wrongly recorded in Sales Book though S & Co. was correctly credited, now corrected.)			
(vii)	Purchases A/c Dr.		6,000	
	Sales A/c Dr.		2,000	
	To M & Co. A/c			5,000
	To Suspense A/c			3,000
	(Credit Purchases of ₹ 6,000 wrongly recorded in Sales Book as ₹ 2,000 and credited to M & Co. ₹ 1,000, now corrected.)			
(viii)	Raman's A/c Dr.		4,000	
	Raghwan's A/c Dr.		1,000	
	To Suspense A/c			5,000
	(Credit Sales to Raman ₹ 4,000 wrongly credited in Raghwan's a/c as ₹ 1,000, now corrected.)			
(ix)	Noor's A/c Dr.		1,600	
	To Allowance A/c			1,600
	(B/R from Noor dishonoured and wrongly debited to Allowance a/c, now corrected.)			
(x)	Bills Payable A/c Dr.		5,000	
	To Manu's A/c			5,000
	(Cash paid to Mani against our acceptance wrongly debited to Manu, now corrected.)			
(xi)	Sales A/c Dr.		1,000	
	Suspense A/c Dr.		2,000	
	To Furniture A/c			3,000
	Old furniture sold for ₹ 3,000 wrongly posted to Sales a/c as ₹ 1,000, now corrected.)			
(xii)	Depreciation A/c Dr.		800	
	To Furniture A/c			800
	(Depreciation on furniture not posted, now rectified.)			
(xiii)	Building A/c Dr.		13,000	
	To Purchases A/c			10,000
	To Wages A/c			3,000
	(Material ₹ 10,000 and wages ₹ 3,000 used in building construction, but not entry made in books, now corrected.)			

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

Suspense A/c

Dr. Particulars	Amount ₹	Particulars Cr.	Amount ₹
To Purchases A/c	5,000	By Sales A/c	400
To Furniture A/c	2,000	By Machinery A/c	450
To Diff. in Trial Balance	13,850	By Purchases A/c	6,000
		By Sales A/c	6,000
		By Purchases A/c	1,000
		By Sales A/c	2,000
		By Raman's A/c	4,000
		By Raghwan's A/c	1,000
	20,850		20,850

Fukey Future's Key
Fukey Education